दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 134 | सीकर, सोमवार 13 जुलाई 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

लेट हुए तो नो एंट्री...
बदहाल सड़क बनी बाधा

निसं

झुंझुनू (नवयत्न)। सरकारी नौकरी की उम्मीद लेकर वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को रविवार को परीक्षा केंद्र पहुंचने से पहले ही अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। शहर के एक परीक्षा केंद्र के बाहर बदहाल सड़क, जलभराव और कीचड़ के कारण अभ्यर्थियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। समय पर केंद्र पहुंचना अनिवार्य होने के कारण अभ्यर्थी हाथ में प्रवेश पत्र और जरूरी दस्तावेज संभालते हुए सड़क के किनारे-किनारे पैदल निकलते दिखाई दिए। तस्वीर में साफ नजर आ रहा है कि सड़क के बड़े हिस्से में पानी भरा होने से दर्जनों अभ्यर्थी कीचड़ से बचते हुए सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं। कई अभ्यर्थियों को जूते-चप्पल बचाकर चलना पड़ा, जबकि दोपहिया वाहन चालकों को भी जलभराव के बीच से निकलना पड़ा। अभ्यर्थियों का कहना था कि परीक्षा में देर होने पर प्रवेश नहीं मिलता, इसलिए मजबूरी में इसी रास्ते से गुजरना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब शहर में बड़ी प्रतियोगी परीक्षा आयोजित थी, तब परीक्षा केंद्रों के आसपास की सड़क और जल निकासी व्यवस्था पहले से दुरुस्त होनी चाहिए थी।

केजरीवाल बोले- राममंदिर के चंदा चोरों को फांसी जरूर मिलेगी
महंत कमलनयन ने कहा- चंपत राय चोर नहीं; 10 दिन बाद नई टीम संभालेगी कमान

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि चंदा चोरों को फांसी की सजा जरूर मिलेगी। भाजपा ने भगवान राम के नाम पर वोट मांगकर केंद्र और 21 राज्यों में सरकार बनाई। बदले में प्रभु श्रीराम के साथ विश्वासघात किया। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा, राम जन्मभूमि आंदोलन और मंदिर निर्माण में चंपत राय का बड़ा योगदान रहा है। लोगों ने उनके साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कोई चोरी नहीं की। राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन की टीम 22 जुलाई के बाद कमान संभाल सकती है। इस पर मंथन चल रहा है। पुलिस आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर ले सकती है। दोनों को सोमवार को फैजाबाद कोर्ट में पेश करेगी और 7 दिन की रिमांड मांग सकती है। गोरखपुर में चढ़ावा चोरी को लेकर पोस्टर लगवाने वाले सपा नेता अरविंद शुक्ला समेत 3 लोगों को पुलिस ने शनिवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया।

राजस्थान के डूंगरपुर में बड़ा हादसा
नहाने गए 6 बच्चों में से 4 तालाब में डूबे

डूंगरपुर।

धम्बोला थाना क्षेत्र के लिखी बड़ी गांव में वात्रक तालाब में नहाने गए छह बच्चों में से चार की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो बच्चों को ग्रामीणों ने समय रहते बचा लिया। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन और उनकी फुफेरी बहन शामिल हैं।

डूंगरपुर जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र के लिखी बड़ी गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। वात्रक तालाब में नहाने गए छह बच्चों में से चार की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो बच्चों को ग्रामीणों ने समय रहते बचा लिया। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन और उनकी फुफेरी बहन शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह करीब 10 बजे बड़ी गांव निवासी बाबूसिंह डामोर के बच्चे हिना (24), प्रतीक (20) और इशिता (15) अपने रिश्तेदारों के साथ वात्रक तालाब में नहाने पहुंचे थे। उनके साथ गुजरात के पालनपुर निवासी उनकी फुफेरी बहन रौनक (20) भी मौजूद थी। नहाने के दौरान सभी बच्चे अचानक तालाब के गहरे हिस्से में चले गए और डूबने लगे।

ग्रामीणों ने दो को बचाया- बच्चों को बचाने के लिए मौके पर मौजूद ग्रामीण तुरंत तालाब में कूद पड़े और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।ग्रामीणों की मदद से राजवीर और जयसिंह नाम के दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद सीमलवाड़ा

अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हालांकि, हिना, प्रतीक, इशिता और रौनक को बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

ओमान के पास जहाज पर हमला, 11 भारतीय सवार थे
10 सुरक्षित; एक लापता; भारत ने हमले की निंदा की

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी।

ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है। भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया। भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने ओमान तट पर जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर हमले की कड़ी निंदा की

भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने रविवार को ओमान के तट के पास वाणिज्यिक पोत जीएफएस गैलेक्सी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए आधिकारिक बयान जारी किया। जिसके अनुसार, 10 भारतीयों को बचा लिया गया है जबकि एक की तलाश जारी है। भारतीय दूतावास भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय ने कहा, जहाज पर सवार 11 भारतीय नागरिकों में से अब तक 10 को बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक के लापता होने की सूचना है। इसमें आगे कहा गया, क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। भारत तनाव कम करने के लिए संवाद कायम करने के रुख पर कायम है। इसके साथ ही हम चाहते हैं कि जो राजनयिक कोशिशें और वार्ताएं जारी हैं, उन्हें तार्किक और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता वापस लाई जा सके। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप क्षेत्र के समुद्री मार्गों पर स्वतंत्र और निर्बाध नौवहन तथा व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए। बयान में एमईए ने बचाव और राहत कार्य को लेकर ओमान का भी शुक्रिया अदा किया। मंत्रालय ने कहा कि ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और चल रहे सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार कोऑर्डिनेट कर रहा है।

आरजीएचएस में ओपीडी जांच के लिए आज से नए नियम
2 हजार रुपए तक की जांच के लिए मंजूरी जरूरी नहीं

जयपुर।

सरकारी कर्मचारियों के लिए राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला किया है। आरजीएचएस के तहत ओपीडी में रूटीन जांच को लेकर राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने नई गाइडलाइन जारी की है, जो 13 जुलाई यानी सोमवार से लागू हो जाएगी। नई व्यवस्था के तहत अब मरीज ओपीडी में डॉक्टर की लिखी गई 2 हजार रुपए तक की रूटीन जांचों को सीधे करा सकेगा। इसके लिए अस्पताल या डायग्नोस्टिक सेंटर को आरजीएचएस पोर्टल से पहले अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। 2 हजार रुपए से ज्यादा की जांचों के लिए अस्पताल या डॉक्टर को पहले आरजीएचएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अनुमति मिलने के बाद ही जांच हो सकेगी। नई व्यवस्था में मंजूरी के लिए समय सीमा भी तय कर दी गई है। एजेंसी (थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर) को तत्काल जांच के लिए आवेदन के एक घंटे में अप्रूवल देना पड़ेगा, जबकि सामान्य जांच के लिए 3 घंटे में अप्रूवल देना पड़ेगा। अगर इस अवधि अप्रूवल नहीं आया तो आवेदन अपने आप स्वीकृत माना जाएगा।

इमरजेंसी मरीजों को मिलेगी राहत

सरकार ने इमरजेंसी मरीजों को इस प्रक्रिया से राहत दी है। नई गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि इमरजेंसी की स्थिति में प्री-अथॉराइजेशन यानी पूर्व अनुमति की जरूरत नहीं होगी। ऐसे मामलों में मरीज की स्थिति देखते हुए डॉक्टर तुरंत आवश्यक जांच करा सकेंगे।

हालांकि बाद में अस्पताल या डॉक्टर को मरीज से जुड़े सभी जरूरी क्लिनिकल दस्तावेज, मेडिकल रिकॉर्ड और जांच कराने का कारण आरजीएचएस पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नई गाइडलाइन के अनुसार, ओपीडी जांचों की मंजूरी प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और तेज बनाने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में शुरू किया वृक्षारोपण कार्यक्रम
405 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान, उन्होंने करीब 405 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। अहमदाबाद महानगर निगम की ओर से 'मिशन फाइव मिलियन ट्री' के तहत विज्ञान भवन, साइंस सिटी, सोला में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंच पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

अमित शाह ने 101 ऑक्सीजन पार्क और हेरिटेज पार्क का ई-लोकार्पण किया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 101 ऑक्सीजन पार्क और हेरिटेज पार्क का ई-लोकार्पण किया। इसके अलावा अहमदाबाद नगर निगम, औडा और सड़क व भवन विभाग की लगभग 405 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, राज्य सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक, नगर निगम के पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

9 लाख 66 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में 22 लाख 71 हजार से अधिक पौधे लगाए गए

अहमदाबाद नगर निगम की ओर से विकसित 101 ऑक्सीजन पार्कों में लगभग 9 लाख 66 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में 22 लाख 71 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें से 62 पार्क गांधीनगर लोकसभा

क्षेत्र में हैं, जहां लगभग 16 लाख पौधों का रोपण किया गया है। इन पार्कों से शहर में हरित क्षेत्र बढ़ेगा, वायु गुणवत्ता में सुधार होगा, प्रदूषण और शहरी गर्मी कम होगी तथा नागरिकों को योग, वॉक और मनोरंजन के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होंगे। इन ऑक्सीजन पार्कों में 45 पार्कों में बच्चों के लिए प्ले एरिया और 19 पार्कों में खेलकूद की सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। साथ ही वर्षा जल संरक्षण, भूजल रिचार्ज और जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी ये पार्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नई एयर-कंडीशंड इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों का शुभारंभ

80 नई एयर-कंडीशंड इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों का शुभारंभ किया गया। जेबीएम कंपनी की ओर से जीसीसी मॉडल के तहत संचालित इन बसों पर हर वर्ष लगभग 42 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन बसों के शुरू होने से यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक, वातानुकूलित और प्रदूषण मुक्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। फिलहाल अहमदाबाद बीआरटीएस के पास कुल 333 बसें हैं, जिनमें 200 इलेक्ट्रिक बसें पहले से संचालित हो रही हैं। अब पहले चरण में 80 नई इलेक्ट्रिक एसी बसें शामिल की जा रही हैं। भविष्य में पूरी बीआरटीएस सेवा को इलेक्ट्रिक फ्लीट में बदलने की योजना बनाई गई है। इसके लिए एएमटीएस और बीआरटीएस के लिए कुल 325 इलेक्ट्रिक एसी बसों की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

कोबरी-सार

पक्षियों की प्यास बुझाने उतरे लायन, सेवा सप्ताह में शुरू हुआ अभियान

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। लायंस क्लब झुंझुनू जीवन द्वारा प्रेरणास्रोत दिवंगत एमजेएफ लायन डॉ जेसी जैन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत रविवार को परिंडे लगाओ-पक्षी बचाओ महाअभियान का शुभारंभ सैनिक शिक्षण संस्थान, झुंझुनू परिसर से किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यकारिणी सभा में क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन डॉ मुकेश एस. मूंड ने उपस्थित लायन सदस्यों को लायंस क्लब की आधिकारिक पिन लगाकर सम्मानित किया तथा सेवा, समर्पण एवं संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। अभियान के संयोजक एवं प्रायोजक पर्यावरण एवं वृक्षारोपण चेयरपर्सन लायन ओमप्रकाश मूंड रहे। उन्होंने सभी सदस्यों से अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर दाना-पानी की व्यवस्था करने तथा अधिकाधिक लोगों को इस जन-जागरूकता अभियान से जोड़ने का आग्रह किया। क्लब अध्यक्ष ने बताया कि 13 जुलाई सोमवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बसंत विहार में क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन एडवोकेट वीरेंद्र सिंह चाहर के आर्थिक सहयोग से विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर क्लब सचिव लायन ओमप्रकाश मूंड, द्वितीय उपाध्यक्ष लायन रणवीर सिंह गोदारा, हेल्थ कैंप चेयरपर्सन लायन डॉ नरेंद्र सिंह काजला, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन एडवोकेट वीरेंद्र सिंह चाहर, पर्यावरण एवं वृक्षारोपण चेयरपर्सन लायन ओमप्रकाश मूंड, डॉ संगीता मूंड व क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

यमुना जल वंदन व यात्रा अभिनंदन कार्यक्रम आज

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। भाजपा की हथिनी कुंड यात्रा के बाद यमुना जल वंदन व यात्रा अभिनंदन का जिला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को होगा। भाजपा जिला कार्यालय में सुबह 10 बजे आयोजित कार्यक्रम में हथिनी कुंड बैराज से लाए गए पवित्र यमुना जल की पूजा की जाएगी। कार्यक्रम में पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती के नेतृत्व व जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई यमुना जल वंदन यात्रा का अभिनंदन किया जाएगा। जिला महामंत्री राजेश रोलन ने बताया कि यमुना जल वंदन यात्रा अभिनंदन कार्यक्रम में शेखावाटी को यमुना जल उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति सामूहिक आभार व्यक्त किया जाएगा। कार्यक्रम में पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि मौजूद रहेंगे।

चिकित्सा शिविर में 160 लोगों ने लिया लाभ

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी कस्बे के स्वामी रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द स्मृति मंदिर में रविवार को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मिशन के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। शिविर में झुंझुनू के महावीर अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 160 रोगियों की बीपी, शुगर व अन्य जांच की जाकर उन्हें दवाईयां वितरित की गई। मिशन सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने बताया कि रामकृष्ण मिशन द्वारा सामाजिक सरोकार की पहल करते हुए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाता है, जो गरीब व असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। सामाजिक सरोकार में रामकृष्ण मिशन अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। जिसमें स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को मानते हुए महिलाओं को नि:शुल्क सिलाई सेंटर में प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, वही बच्चों को कंप्यूटर के क्षेत्र में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन द्वारा गरीबों में समय-समय पर वस्त्र व अन्य घरेलू सामग्री वितरित कर स्वामी विवेकानंद के कार्यों को चरितार्थ कर रहा है। रामकृष्ण मिशन में आने वाले हर व्यक्ति की समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही समाधान करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि रामकृष्ण मिशन के सदस्य स्वामी विवेकानंद के बताए हुए मार्ग पर चलकर गरीब व असहाय लोगों की मदद करने में अग्रिम पंक्ति में खड़े हुए है। इस मौके पर स्वामी योगयुक्तानंद महाराज, स्वामी प्रशांतानंद महाराज, डॉ महावीर मील, डॉ अंकुर मील, योगेश बबेरवाल, मुकेश कुमार, दुष्यंत सोनी, बंटी महला, रोहित जांगिड़, संजय कुमार, कालीचरण गुप्ता, रोशन लाल, कृष्ण कुमार, मोहनलाल, उमाशंकर सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नि:शुल्क शिविर 20 को

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। अजीतगढ़ ब्लॉक के तमाम फौजी भाईयों, उनके परिवारजनों एवं ब्लॉक अजीतगढ़ के पेंशनर्स को आदर और सम्मान देते हुए अजीतगढ़ के युवा एवं प्रतिभावान सीए नितिन जोशी 20 जुलाई को एक नि:शुल्क शिविर संचालित कर ब्लॉक के पेंशनर्स का नि:शुल्क आईटीआर भरने की सेवाएं देंगे। विगत 10 वर्षों से सीए नितिन जोशी फौजी भाईयों एवं उनके परिवारजनों का आईटीआर नि:शुल्क भरते आ रहे हैं । अजीतगढ़ पेंशनर्स मंच अध्यक्ष मोहनलाल पारीक ने बताया कि 20 जुलाई सोमवार को एक दिवसीय शिविर में ब्लॉक के पेंशनर्स अजीतगढ़ कस्बे के अजीतगढ़-चौंमू-जयपुर रोड स्थित जोशी ऑयल मिल के पास स्थित सीए नितिन जोशी के ऑफिस में जाकर आईटीआर भरवा सकते हैं। यह नि:शुल्क सेवा केवल अजीतगढ़ ब्लॉक के पेंशनर्स के लिए ही है।

तेज रफ्तार न्याय : 33 उपभोक्ताओं को आज सौंपे जाएंगे राहत के चेक

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। सकारात्मक सोच और कुछ अलग करने के जज्बे के साथ लिए गए निर्णय न केवल न्याय दिलाते हैं बल्कि न्याय होते हुए दिखाई भी देते हैं। ऐसा ही उदाहरण जिला उपभोक्ता आयोग में देखने को मिला, जहां आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने त्वरित न्याय की संकल्पना को व्यवहार में उतारते हुए उल्लेखनीय कार्य किया है। उल्लेखनीय है कि 22 मई को उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील एवं सदस्य प्रमेन्द्र सैनी की पीठ द्वारा सुनवाई करते हुए एक ही दिन में 35 परिवादों का निर्णय लिखवाकर सुनाया गया। यह अपने आप में एक अनूठा और सराहनीय कदम माना जा रहा है। इन निर्णयों की पालना करते हुए संबंधित बीमा कंपनी ने उपभोक्ता हित में तत्परता दिखाते हुए 33 प्रकरणों की अवार्ड राशि आयोग कार्यालय में जमा करवा दी है। सोमवार को आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील अधिवक्ताओं की मौजूदगी में उपभोक्ताओं को अवार्ड राशि के चेक आज सोमवार को सौंपेंगे। यह संभवत: पहला अवसर है जब उपभोक्ता आयोग ने एक साथ 35 परिवादों का निस्तारण किया और उनमें से 33 मामलों में मात्र 15 दिनों के भीतर अवार्ड राशि जमा हो गई। इस पहल ने न केवल त्वरित न्याय की अवधारणा को मजबूत किया है बल्कि आमजन में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।

आज शिक्षक रैली निकालकर देंगे ज्ञापन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान शिक्षक संघ एसटीएफआई उप शाखा सुजानगढ़ की पीसीबी स्कूल में बैठक आयोजित की गई। प्रधानाचार्य रणवीर सिह महरिया की अध्यक्षता व कमला शर्मा के सानिध्य में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रधानाचार्य, व्याख्याता, व.अ. आदि कर्मचारियों के स्थानान्तरण किये हैं, उनमें बड़े स्तर पर अनियमितता व भ्रष्टाचार किया गया है तथा कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण से जो स्थानान्तरण किये गए हैं, उन्हें सरासर गलत बताया। वक्ताओं ने कहा कि जब तक कर्मचारियों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वो संघर्ष करते रहेंगे। इस अवसर पर तहसील मंत्री शिवपाल सिंह राजियासर, जिला पदाधिकारी लिछमणाराम नायक, कोषाध्यक्ष सुधेन्द्र जोशी, सुखाराम बीरडा, गुरूदेव गोदारा, सुषमा शर्मा, डिम्पल शर्मा, महताब सिंह, नेमाराम, जीवराज सिंह ईशरावा, मनीष गोदारा, पदमवीर महरिया, सम्पत चारण, बीरबल सिंह प्रधानाचार्य, शिक्षक नेता रामचन्द्र गोदारा, मनीष पारीक, पवन कुमार शर्मा, राजेन्द्र डूडी, इमरान भाटी, गुलाब, पूर्णमल, विवेक बैदी, इकबाल, बलदेव ढाका, विजयपाल रणवां, सुखाराम बीरडा, उदाराम, असगर अली सहित अनेक लोग मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि सोमवार को गणेश मन्दिर से उपखंड कार्यालय तक रैली निकालकर ज्ञापन दिया जायेगा।

जाखल की बेटी शेखावत बनी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

निसं

बुगाला (नवयत्न)। जाखल गांव की बेटी भानवी शेखावत ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर गांव, क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। पुणे स्थित आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज की एच-3 बैच की मेडिकल कैडेट भानवी ने पासिंग आउट परेड के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त किया। वह जाखल गांव की पहली बेटी हैं, जिन्होंने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने का गौरव हासिल किया है। इन्होंने माध्यमिक शिक्षा राजलदेसर से पूरी की। इसके बाद सीकर की कोचिंग इंस्टीट्यूट से फाउंडेशन कोर्स किया और नीट-2021 में सफलता हासिल की। वर्ष 2022 में उनका चयन पुणे में हुआ। चार वर्ष का एमबीबीएस पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अब वह कोलकाता स्थित ईस्टर्न कमांड हॉस्पिटल में इंटर्नशिप करेंगी। देशसेवा की भावना भानवी को परिवार से विरासत में मिली है। उनके दादोसा कृष्णवर्धसिंह शेखावत भारतीय वायु सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। अब परिवार की तीसरी पीढ़ी के रूप में भानवी भारतीय सेना में चिकित्सक अधिकारी बनकर देश की सेवा करेंगी। भानवी के पिता दीपेन्द्र सिंह शेखावत और माता रेणु राठौड़ दोनों राजकीय शिक्षक हैं तथा पिछले 28 वर्षों से राजलदेसर में सेवाएं दे रहे हैं। बेटी की इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदारों और जाखल गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे पूरे गांव के लिए गौरव का क्षण बताते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य और सफल सैन्य सेवा के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सुजानगढ़ कोतवाली सीआई बनी होट सीट

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। लगता है चूरू जिले में कोतवाली सीआई का पद होट सीट है। तभी इसको लेकर एक के बाद एक तीन बार अधिकारी बदल दिए गए हैं। चूरू एसपी द्वारा आदेश जारी कर यहां पर मुकुट बिहारी मीणा को, इसके बाद सुखराम चोटिया को और अब मुकेशचंद को सुजानगढ़ कोतवाली का नया सीआई लगाया गया है। हालांकि 12 जुलाई को जो ओर्डर सामने आया है, वो भी 10 जुलाई की तारीख में जारी किया हुआ है। जिससे पता चलता है कि 10 जुलाई के दिन एसपी चूरू के आदेश 2 बार संशोधित हुए। कुल तीन ऑर्डर जारी हुए जिनमें कोतवाली सीआई सुजानगढ़ की सीट का जिक्र हर बार आया है।

आवासीय क्वार्टरों में पुराना पेड़ बना हादसे का कारण, डालियां गिरने से दहशत

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी नगर के आवासीय क्वार्टर क्षेत्र में स्थित एक काफी पुराना पेड़ स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। पेड़ की सूखी और भारी डालियां आए दिन टूटकर नीचे गिर रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। हाल ही में एक बड़ी डाली अचानक क्वार्टर की छत पर टूटकर गिर गई। गनीमत रही कि उस समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पेड़ वर्षों पुराना हो चुका है और अब उसकी कई शाखाएं पूरी तरह से भारी हो चुकी हैं। तेज हवा या बारिश के दौरान पेड़ की डालियां लगातार टूटने का खतरा बना रहता है। आसपास कई परिवार रहते हैं और बच्चों का भी यहां आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में लोगों में हर समय दुर्घटना का डर बना रहता है। ग्रामीणों और क्वार्टर में रहने वाले लोगों ने बताया कि वे कई बार केसीसी नगर प्रशासन से पेड़ की भारी टहनियां कटवाने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग कर चुके हैं लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पेड़ की छंटाई नहीं कराई गई या आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पेड़ का निरीक्षण करवाकर उसकी खतरनाक शाखाओं को जल्द से जल्द हटाया जाए। उनका कहना है कि लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इस मामले में लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई कर दी जाए तो किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सकता है। फिलहाल आवासीय क्वार्टरों में रहने वाले लोग हर तेज हवा और बारिश के दौरान डर के साए में जीवन बिताने को मजबूर हैं और प्रशासन से शीघ्र समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

तीन दिवसीय कथक महोत्सव कल से

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकटवर्ती गांव बड़ाबर के प्रख्यात कथक नृत्याचार्य कुंदनलाल गंगानी के जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत गुरु कुंदनलाल गंगानी फाउंडेशन व जवाहर कला केंद्र जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 16 जुलाई तक तीन दिवसीय कथक नृत्य महोत्सव का आयोजन जवाहर कला केंद्र जयपुर में होगा। द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि इस सांगीतिक अनुष्ठान में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय ख्यातनाम कथक नृतक अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां तीन दिनों के दौरान इस विधा से जुड़े अनेक नामी कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर, सहाय हॉस्पिटल मोती डूंगरी जयपुर एवं आई रिसर्च सेंटर समिति द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति अंधता निवारण जयपुर के सौजन्य से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में आयोजित 61 वें नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर में 80 मरीजों की आंखों की जांच की गई और 10 मरीज का चयन ऑपरेशन के लिए किया गया। क्लब के अध्यक्ष सीताराम सैनी पूर्व वैज्ञानिक से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में विशेष सहयोग दुर्गा प्रसाद गोयल उंझा गुजरात वालों का रहा । ऑपरेशन के लिए चयनित सभी मरीजों को क्लब ने फल एवं बिस्किट के पैकेट भी दिए। शिवर में लायन सागरमल हलवाई, अनिल कुमार मारवाल, बजरंग लाल कुमावत, मनोज कुमार मालपानी, ललित कुमार सैनी, सागरमल सैनी, सुभाष चेजारा और हरिशंकर तिवारी ने सेवाएं दी। अस्पताल के कॉरिडोर में मरीजों की आवश्यकता को देखते हुए सीलिंग फैन भी लगवाया गया।

जोनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में फ्लोरेटो ने जीते 13 पदक

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। नागौर में आयोजित सीआईएससीई जोनल बैडमिंटन प्रतियोगिता में जयपुर-बीकानेर बाईपास स्थित फ्लोरेटो वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण, 4 रजत व 4 कांस्य पदक सहित 13 पदक जीते हैं।

अंडर-14 में राहित्या अग्रवाल ने एकल में रजत तथा युगल में पर्व के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं हेमन्या ने एकल में कांस्य पदक जीता। अंडर-17 में कार्तिक चौधरी ने एकल में स्वर्ण तथा युगल में नमन चौधरी के साथ स्वर्ण पदक जीता।

नमन चौधरी ने एकल में रजत पदक तथा खुशी ने एकल में कांस्य पदक जीता। अंडर-19 में विराट चौधरी व गर्वित अग्रवाल ने युगल में स्वर्ण तथा चार्वी व दिव्या ने युगल में रजत पदक जीता। खिलाड़ियों की शानदार सफलता पर फ्लोरेटो प्रबंध निदेशिका डॉ मिनाली सुण्डा एवं प्रिंसिपल रिंकू शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों व अभिभावकों को बधाइयां दी।

इटली में रोजगार दिलवाने का झांसा देकर हड़पे लाखों रुपए

पीड़ित के परिवार ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। तहसील के दुजार गांव में विदेश भेजने का झांसा देकर कबूतरबाज द्वारा लाखों रुपए हड़पने व परिवार को धमकीयां देने का मामला सामने आया है। पीड़िता कंचन देवी पत्नी भागीरथ पंवार निवासी दुजार ने जरिए इस्तगासा बताया कि राहुल उर्फ राधेश्याम ने वर्ष 2022 में घर पर आकर उनके पुत्र शिवभगवान पंवार को इटली भेजने और दस्तावेज बनाकर अच्छा रोजगार दिलवाने का झांसा दिलाया। कथित एजेंट ने बताया कि इटली में उसका ऑफिस है जिसमें वह खुद एजेंट है इसलिए विदेश में जॉब आसानी से दिलवा सकता है। इसके एवज में आरोपी ने करीब चौदह लाख रूपये देने की मांग की।

विदेश में दर-दर भटकने को मजबूर पीड़ित

पीड़ित के भाई शुभकरण पंवार ने बताया कि आरोपी राधेश्याम ने उनके भाई शिव भगवान को काम दिलाने और दस्तावेज बनवाने का आश्वासन देकर अपने साथ इटली लेकर चला गया। फिर विदेश में कागज बनवाने के नाम पर मदनलाल टाक, लिछमा उर्फ सीता देवी, कुंज बिहारी, प्रिती देवी, धनेश माली, मोहित एवं रूपाराम नाम के अलग-अलग बैंक खातों में धोखाधडी कर रुपए डलवाता रहा। करीब 11 लाख रुपए देने के बाद भी आरोपी ने शिव भगवान को किसी तरह का कोई काम इटली में नहीं दिलवाया है।

अब विदेश में पीड़ित दर-दर की ठोकरें खाकर भूखा मरने को मजबुर है। उसके पास में खाने पीने के सामान का खर्चा भी नहीं बचा हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया कि जब पीड़ा बताने के लिए परिवार की महिलाएं आरोपी के घर गई तो आरोपी ने परिवादीयां के साथ धक्का मुक्की की और मारने की धमकीयां दी। परिवार ने अब प्रशासन से विदेश में फंसे युवक को सकुशल स्वदेश लौटाने या उसके दस्तावेज बनवाकर जॉब दिलवाने और कथित एजेंट के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। इस मामले में न्यायालय ने अनुसंधान करने के लिए पुलिस थाना लाडनूं को आदेश जारी किया है।

375 फीट ऊंची ऐतिहासिक चिमनी को बचाने की मुहिम

सूरजगढ़ विधायक से मिला प्रतिनिधित्व मंडल, सौपा ज्ञापन

निसं

सिंघाना (नवयत्न)। देश के तांबा उत्पादन की शान रही खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स की 114 मीटर (375 फीट) ऊंची ऐतिहासिक स्मेल्टर चिमनी को राष्ट्रीय औद्योगिक धरोहर घोषित कराने के लिए अब चिमनी बचाओ अभियान शुरू हो गया है। इसी सिलसिले में शनिवार को क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा और इसे संरक्षित करने की मांग की।

इंदिरा गांधी के समय बनी थी चिमनी

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को बताया कि 1974-75 में बनी यह चिमनी शेखावाटी के विकास, युवाओं के रोजगार और संघर्ष की मूक गवाह है। दूर-दूर से लोग इसकी भव्यता और विशिष्ट स्थापत्य शैली को देखने आते हैं। इसे पर्यटन और शोध केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना अध्यक्ष डीपी सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश पांडे सहित कई जागरूक ग्रामीण मौजूद थे।

विधायक ने कहा मेरा भी है भावनात्मक जुड़ाव

सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि वे स्वयं हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में कार्य कर चुके हैं, इसलिए इस परियोजना से उनका भावनात्मक जुड़ाव है। यह चिमनी हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहनी चाहिए। इसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित कराने के लिए वे सरकार स्तर पर हरसंभव प्रयास करेंगे।

साइकिलिंग, श्रमदान और जनभागीदारी का अनूठा संगम बना हॉर फॉर नेशन का स्वच्छता अभियान

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। सामाजिक संगठन हॉर फॉर नेशन द्वारा अपने नियमित साप्ताहिक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत रविवार प्रात: 7 बजे वृद्धजन भ्रमण पथ से म्यूजियम सर्किल तक व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में टीम के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों, बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के दौरान लगभग एक ट्रैक्टर-ट्रॉली कचरा एकत्रित कर नगर निगम के डम्पिंग यार्ड भिजवाया गया। आज का अभियान कई मायनों में विशेष रहा। स्वच्छता अभियान से पूर्व हॉर फॉर नेशन के सदस्यों ने बीकानेर साइकिल क्लब एवं आईसीएआई बीकानेर शाखा के साथ फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आयोजित रविवार साइकिल राइड में भी भाग लेकर फिट इंडिया, स्वच्छ इंडिया का संदेश दिया। इसके पश्चात सभी प्रतिभागी सीधे श्रमदान के लिए स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। अभियान में आईसीएआई बीकानेर शाखा के अध्यक्ष सीए मुकेश शर्मा, सीए अभय शर्मा, सीए सुमित नौलखा, सीए गौरव अग्रवाल सहित शाखा के अनेक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं पदाधिकारियों ने भी श्रमदान किया। इससे समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता का प्रेरक उदाहरण देखने को मिला। अभियान की एक विशेष बात यह रही कि सीजीएसटी विभाग के एक अधिकारी केवल सोशल मीडिया पर हॉर फॉर नेशन की गतिविधियाँ देखकर प्रेरित हुए और पहली बार स्वयं इस अभियान में शामिल होकर श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से टीम के साथ जुड़ना चाहते थे। यह टीम की वर्षों की सतत सामाजिक यात्रा और जनविश्वास का प्रमाण है। वर्ष 2016 से निरंतर कार्यरत हॉर फॉर नेशन प्रत्येक रविवार बिना किसी आर्थिक सहयोग, बिना किसी राजनीतिक मंच और केवल जनभागीदारी के बल पर स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता का अभियान चला रहा है। टीम का ध्येय वाक्य शिशकायत नहीं, सहयोग आज भी हजारों नागरिकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित कर रहा है। अभियान में सीए सुधीश शर्मा, सीए वसीम राजा, भवानी सिंह राजपुरोहित, बृजेन्द्र त्रिपाठी, डॉ फ़ारूक़ अहमद, मनोज सोनी, दीपा सिंह, राजू ड्रेसर, इंदर सिंह, कपिला शर्मा, यशस्वी पराशर, वंदना शर्मा, सुरभि शर्मा, गुरमोहन सेठी, सुशील यादव, मोहम्मद हसन, गुरप्रीत सिंह, बसंत दास, देवकिशन तंवर, पुरुषोत्तम शर्मा, गजेन्द्र सरीन, राम हंस मीणा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने श्रमदान किया। अभियान के अंत में टीम ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की दैनिक जिम्मेदारी है। यदि समाज और प्रशासन मिलकर कार्य करें तो स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बीकानेर का सपना अवश्य साकार होगा।

पेपर लीक के खिलाफ आज जयपुर में दौड़ेंगे हजारों युवा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। देशभर में भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार के विरोध में सोमवार को राजधानी जयपुर में हजारों छात्र-युवा सड़क पर उतरेंगे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान छात्रों की गूंज के तहत एनएसयूआई राजस्थान की ओर से रन अगेंस्ट पेपर लीक थीम पर पांच किलोमीटर मैराथन का आयोजन किया जाएगा। संगठन का कहना है कि यह आयोजन केवल दौड़ नहीं बल्कि छात्रों के भविष्य से हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ जन आंदोलन का प्रतीक है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने बताया कि मैराथन सोमवार को सुबह साढ़े 5 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू होगी। प्रतिभागी यहां से दौड़ते हुए अल्बर्ट हॉल तक जाएंगे और पुन: राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पहुंचकर मैराथन का समापन करेंगे। उन्होंने बताया कि मैराथन में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित प्रदेश के अनेक वरिष्ठ नेता एवं छात्र नेता भी भाग लेंगे और युवाओं को संबोधित करेंगे। आयोजन को उत्साहवर्धक बनाने के लिए पुरुष एवं महिला वर्ग के शीर्ष तीन-तीन विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। विनोद जाखड़ ने कहा कि मैराथन के माध्यम से भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्ष एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली तथा पेपर लीक के मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई जाएगी। उनका कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं ने लाखों युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। वर्षों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों की मेहनत और समय दोनों बर्बाद हो रहे हैं। ऐसे में यह आयोजन केवल खेल गतिविधि नहीं बल्कि छात्रों की आवाज बुलंद करने और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग का प्रतीक बनेगा। जाखड़ ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सरकार और संबंधित एजेंसियों का ध्यान छात्रों की गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने मांग की कि भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए तथा पेपर लीक के मामलों में शामिल दोषियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने दावा किया कि इसी मांग को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में युवा मैराथन में शामिल होकर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने का संदेश देंगे।

नोखा थाना प्रभारी गोविंद सिंह चारण ने संभाला पदभार

निसं

नोखा (नवयत्न)। गोविंद सिंह चारण ने नोखा पुलिस थाने में रविवार को नव नियुक्त थाना अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कार्यभार संभालने के बाद थाने के सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। चारण ने थाना क्षेत्र की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने पुलिसकर्मियों को आमजन के प्रति संवेदनशील रहते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए।

ऑपरेशन नीलकंठ को दी जाएगी गति

पदभार ग्रहण करने के बाद बातचीत में थाना अधिकारी गोविंद सिंह चारण ने कहा पुलिस मुख्यालय की ओर से तय प्राथमिकताओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ को और अधिक गति दी जाएगी।

नशा तस्करों के खिलाफ होगी कार्रवाई

चारण ने विशेष रूप से नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि तस्करों को जेल भेजने के साथ-साथ उनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने, यातायात व्यवस्था सुधारने, आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रात्रिकालीन गश्त को प्रभावी बनाने पर विशेष फोकस रहेगा। असामाजिक तत्वों और सक्रिय बदमाशों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

रात्रि गश्त में होगी बढ़ोतरी

चारण ने कहा कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही चोरी का सामान खरीदने वाले लोगों की भी पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अपराधियों में कानून का भय बनाए रखना है। इस अवसर पर निवर्तमान थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज, जिनका हाल ही में पदोन्नति के बाद डीवाईएसपी पद पर चयन हुआ है का स्वागत किया गया। इसके बाद गोविंद सिंह चारण ने औपचारिक रूप से थाना अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

सेंट्रल जेल में फिर मिला मोबाइल

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी की कड़ी सुरक्षा वाली सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिलने का मामला सामने आने से जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। शनिवार को जेल के वार्ड नंबर सात में तलाशी अभियान के दौरान टॉयलेट से एक लावारिस मोबाइल बरामद हुआ। मामले में जेल प्रशासन की शिकायत पर लाल कोठी थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। लालकोठी थानाधिकारी श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि जेल प्रहरी ओमप्रकाश यादव ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को सेंट्रल जेल के वार्ड नंबर सात में नियमित तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वार्ड के टॉयलेट में दबा हुआ एक लावारिस मोबाइल मिला। मोबाइल को नियमानुसार जब्त कर फर्द तैयार की गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि तलाशी अभियान शुरू होने पर किसी बंदी ने मोबाइल को बचाने के उद्देश्य से टॉयलेट में छिपा दिया होगा। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मोबाइल किस बंदी का है और वह जेल परिसर तक कैसे पहुंचा। गौरतलब है कि सेंट्रल जेल में मोबाइल मिलने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार बंदियों के कब्जे से या फिर लावारिस हालत में मोबाइल बरामद हो चुके हैं। इन मामलों में लालकोठी थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद प्रतिबंधित मोबाइल जेल के भीतर कैसे पहुंच रहे हैं। इसके अलावा कुछ दिन पहले ही जेल परिसर में बाहर से फेंका गया एक संदिग्ध पार्सल मिला था। जांच में उस पार्सल से मोबाइल और बीड़ी के बंडल बरामद हुए थे। उस मामले में भी लालकोठी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था और जांच जारी है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब पुलिस और जेल प्रशासन दोनों इस बात की पड़ताल में जुटे हैं कि आखिर तमाम सुरक्षा इंतजामों के बावजूद प्रतिबंधित मोबाइल जेल के भीतर पहुंच कैसे रहे हैं।

भगवान झूलेलाल मंदिर में हुआ महायज्ञ : राष्ट्र की समृद्धि व अच्छी वर्षा की प्रार्थना

निसं

जयपुर (नवयत्न)। देश में शांति, खुशहाली एवं अच्छी वर्षा की कामना को लेकर रविवार को जयसिंहपुरा खोर स्थित भगवान श्री झूलेलाल मंदिर में विशाल महायज्ञ का आयोजन किया गया। युवा जागृति संगठन एवं भगवान श्री झूलेलाल मंदिर सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आहुति दी और राष्ट्र की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। कार्यक्रम संयोजक एवं समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी ने बताया कि सब्जी मंडी, सुपर बाजार स्थित भगवान श्री झूलेलाल मंदिर परिसर में शाम सवा 5 बजे से 7:30 बजे तक पंडित धर्मेंद्र शर्मा के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना एवं महायज्ञ संपन्न कराया गया। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया था। महायज्ञ में समाजसेवी तुलसी त्रिलोकानी, गिरधारी कृष्णानी, किशन पुजानी, अजय मूलचंदानी, कमलेश नानवानी, नरेंद्र जोधपुरी, राजेश टहलानी, दीपक धामेजानी, शशिकांत शर्मा, मनोज सेवानी, कृष्ण कुमार अग्रवाल मनीष, देवीदास चेलानी, करण अलवानी, मुकेश तोतलानी, धर्मेंद्र पमनानी, विजय वाधवानी, कमल देवजानी, कन्हैयालाल पारवानी, विजय कुमार हरलानी, मनोज जेसवानी, श्याम ज्ञानानी, राजेश गोपलानी, मुकेश मोतियानी, प्रेमचंद फूलवानी, ललित तीर्थानी, श्याम कमलानी, तरुण मोटवानी, धर्मेंद्र त्रिलोकानी, अक्षय रजवानिया, नरेंद्र जेठवानी, राहुल लोकवानी, मनीष पारवानी, राजू फालूदा, धर्मेंद्र महाराज, निशा शर्मा गुरयानी, देवकी सुमनानी, नंदिनी धनकानी, बरखा गेहानी, आशा, लता थदानी, दिया जयसिंघानी, नारायणी देवी, लालपुरी गोस्वामी, पुरुषोत्तम उमरानी, महेश खटवानी, मनीष सोमानी, दिनेश विजयवर्गीय, ओमप्रकाश सैनी, खेमचंद केलवानी, पदमा हेमनानी, हर्षा सेवानी, अंजना त्रिलोकानी एवं छबलदास नवलानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद श्रद्धालुओं ने देश की सुख-समृद्धि, सामाजिक सौहार्द और उत्तम वर्षा की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

संत रामपाल महाराज के सत्संग का आयोजन

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय रैगर धर्मशाला में बड़ी स्क्रीन के माध्यम से तत्व दर्शी संत रामपाल महाराज के सत्संग का आयोजन रखा गया। उन्होंने तत्वज्ञान के माध्यम से बताया कि नानक, धर्मदास, नामदेव, दादूदयाल, रामदेव और गरीबदास जैसे सभी संतो ने एक ही सत्य की ओर संकेत किया है कि जन्म मरण की सृष्टि तीन गुण-सत्व, रज और तम तथा काल ब्रह्म के दायरे में संचालित है। जिसे वेदों में कविरदेव कहा गया है, जो वास्तव में अविनाशी परमात्मा है और सतलोक में राजा के समान दर्शनीय है वहीं इस संपूर्ण श्रृष्टि का मालिक है। वहां जाकर ही जीव जन्म मरण से मुक्त हो सकता है। उसी परमात्मा को सभी संतों ने कबीर साहेब कहा है। सत्संग के दौरान ललित प्रजापत, मेहुल शर्मा, दिलीप सिंह, राधेश्याम प्रजापत, टीकूराम जाट, रामकुमार मेघवाल, आदित्य माली, भंवरलाल रेगर, शंभुदयाल सोनी, रामेश्वर प्रजापत, ऋषभ पंवार, उत्तम सोनी, विमला प्रजापत, बीरबल जाट, पुष्पा प्रजापत, कंचन माली, सरोज प्रजापत, नीलम राजपूत, सुलोचना माली, मुखी मेघवाल, प्रेमा प्रजापत आदि सत्संग प्रेमी उपस्थित थे।

पर्यावरण सुरक्षा अभियान के अंतर्गत पौधे लगाए

निलेश मुदगल

झुंझुनू (नवयत्न)। बीबाणी विकास समिति एवं महावीर इंटरनेशनल रानी अहिल्या वीरा केंद्र द्वारा बीबाणी मुक्तिधाम में नवनिर्मित श्याम-वाटिका परिसर में पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत वीरा सविता देवी जांगिड़, वीर नागरमल जांगिड़ के सौजन्य से 21 पौधे लगाकर विकास समिति के सुपुर्द किये।

पर्यावरण बेनर का विमोचन कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ एस एन शुक्ला, देवेंद्र कुमार गौड़, नागरमल जांगिड़, महेश कुमार मुंड, सूमेरसिंह कर्णावत, प्रदीप कुमार शुक्ला, एडवोकेट हरीश जोशी, सीताराम सैनी, ओमप्रकाश ककराणीया, वीरा आरती मुंड, सुधा पूनिया, शालिनी शर्मा, सुलोचना जालान, सविता जांगिड़, श्यामसुंदर जालान, शिव प्रसाद महर्षि, अशोक कुमार शर्मा, विनोद कुमार केडिया, सुरेश कुमार सैनी, सुनील सैनी, मनोज सैनी, मानविक सैनी एवं काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

सड़क किनारे लगा बिजली ट्रांसफार्मर गिरा, कई घरों की बिजली आपूर्ति बाधित

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा के जोरावरपुरा में शनिवार रात करीब 9 बजे सड़क किनारे लगा एक बिजली ट्रांसफार्मर अचानक जमीन पर गिर गया। इस हादसे में ट्रांसफार्मर, उससे जुड़े उपकरण और पोल क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे क्षेत्र के सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय कोई राहगीर वहां मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

ट्रांसफार्मर गिरने के बाद पूरे इलाके में अंधेरा छा गया। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ट्रांसफार्मर लंबे समय से जर्जर हालत में था और उसका आधार भी कमजोर हो चुका था। इस संबंध में कई बार मौखिक और लिखित शिकायतें की गई थी। नए पोल लगाने के लिए डिमांड नोट भी जमा कराया गया था लेकिन विभाग ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

4 साल पहले बदलने की मांग की थी

क्षेत्रवासियों के अनुसार इस ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग वर्ष 2022 में भी उठाई गई थी। वार्ड संख्या 31 के पार्षद के नेतृत्व में तत्कालीन संभागीय आयुक्त, बीकानेर को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें समता भवन के पास लगे ट्रांसफार्मर और दो जर्जर बिजली पोल बदलने की मांग की गई थी। ज्ञापन में बताया गया था कि 14 अप्रैल 2022 को ट्रांसफार्मर में आग लगी थी और इससे पहले भी तीन बार ऐसी घटनाएं हो चुकी थी। तब ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन सालों बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ट्रांसफार्मर गिरने के बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति में फेज गड़बड़ी की शिकायतें भी सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि स्विच बंद होने पर भी इंडिकेटर जल रहे हैं और एलईडी व ट्यूबलाइट हल्की रोशनी दे रही हैं। बिजली आपूर्ति जल्द बहाल करने की मांग, इससे घरों के बिजली उपकरण खराब होने का खतरा बढ़ गया है। कई घरों में बल्ब और लाइटें फ्यूज होने की शिकायतें भी मिली हैं। वार्डवासियों ने क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने, बिजली आपूर्ति जल्द बहाल करनेए फेज और वोल्टेज संबंधी समस्याओं को दूर करने की मांग की है। उन्होंने क्षेत्र के सभी जर्जर ट्रांसफार्मरों और बिजली पोलों का सुरक्षा ऑडिट कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

ब्रदर्स चैंपियन ट्रॉफी 2026 का शुभारंभ

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। तहसील के ग्राम दाउदसर स्थित नमो नारायण स्टेडियम में आयोजित ब्रदर्स चैंपियन ट्रॉफी 2026 का शुभारंभ विधायक पूसाराम गोदारा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विधायक ने क्रिकेट प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया तथा स्वर्गीय पवन कुमार पारीक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में विधायक गोदारा ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

शिक्षा के साथ खेल प्रतियोगिताएं भी आवश्यक है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि स्वर्गीय पवन कुमार पारीक की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है। प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में ढांढ़ण और कालूसर की टीमों के बीच मुकाबला हुआ। ढांढ़ण टीम ने 15 रनों से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का विजयी आगाज किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान गिरधारी लाल बांगड़वा, ओमप्रकाश सरपंच, महावीर बेनीवाल, तोलाराम पारीक, राजकुमार सारण, शियाचंद कानसुजिया, प्रमोद बांगड़वा, मोनू पारीक, किशोर बिजारणियां, रामाकिशन पारीक, मोनू जाखड़, कन्हैया लाल बेनीवाल, कालीचरण पारीक सहित आयोजन समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

डेयरी बूथ पर करंट लगने से युवक की मौत

निसं

जयपुर (नवयत्न)। रामगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक डेयरी बूथ पर करंट लगने से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के समय युवक अपने दोस्तों के साथ बूथ पर बैठा हुआ था। करंट लगने के बाद उसे गंभीर हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। एएसआई बाबूलाल ने बताया कि मृतक की पहचान निखिल पुत्र योगेंद्र निवासी घोड़ा निकास रोड, रामगंज के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी में कार्यरत था।

पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे निखिल अपने दोस्तों के साथ रामगंज चौपड़ स्थित एक डेयरी बूथ पर बैठा हुआ था। इसी दौरान वह अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना तेज था कि वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। हादसे के तुरंत बाद डेयरी बूथ संचालक और उसके परिचितों ने निखिल को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि डेयरी बूथ के भीतर करंट किस कारण से फैला और किस विद्युत उपकरण में तकनीकी खराबी थी। पुलिस का कहना है कि तकनीकी जांच और रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरफ आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है।

बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच-समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बहरहाल, नियमों में बदलाव सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी को ही दर्शाता है।

जो यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि इलाज के लिए उपयोग होने वाले उत्पादों से लोगों को फायदा ही हो, नुकसान नहीं। निस्संदेह, सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया है। अब इस नियम को सख्ती से लागू करने का पक्का इरादा भी दिखाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इस रोग का पूरा इलाज नहीं हो पायेगा।

विशेषज्ञों का अध्ययन दूर करेगा इथेनॉल के भ्रम

अगर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से कारों की ईंधन दक्षता कम होती है तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। कृषि-खाद्य विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा। किसान खाद्य फ़सलों के बजाय ज़्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को तेज़ी से बढ़ावा देने की सरकारी नीति हाल के हफ़्तों में लोगों की कड़ी आलोचना का निशाना है, हालांकि, यह नीति 2022 से लागू है। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का मूल लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, लेकिन समयपूर्व 2025 कर दिया गया।

इस नीति के फ़ायदों के बारे में कई दावे किए जा रहे हैं—ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत से लेकर किसानों के कल्याण तक। फिर भी, वाहन मालिक इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं। अपने बचाव में, सरकार का कहना है कि यह नीति सबूतों पर आधारित है और डेटा समर्थित है, जिसमें अधिकांशत: पेट्रोलियम संगठनों के बेनामी और अप्रकाशित अध्ययनों का हवाला दिया गया है। वाहनों पर इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के असर के दावों को साबित करने के लिए कोई स्वतंत्र अथवा विशेषज्ञों द्वारा जांचा-परखा अध्ययन मौजूद नहीं है। अगर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाली कारों की फ़्यूल एफ़िशिएंसी (ईंधन दक्षता) कम है—जैसा कि अब कार निर्माता भी मान रहे हैं—और इंजन खराब हो रहे हैं—जैसा कि वाहन मालिक शिकायत कर रहे हैं—तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। इसके अलावा, कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा, क्योंकि किसान खाद्य फ़सलों के बजाय ज़्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल की बढ़ती मांग के मद्देनजर निर्माता कंपनियां मक्का और चावल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर कर रही हैं। सरकार को नीति के लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट होना जरूरी है और इसके फ़ायदों के बारे में ठोस सबूत पेश करने चाहिए, न कि आलोचकों पर गलत इरादे का आरोप मढ़ देना या इसके नकारात्मक प्रभावों को लेकर लोगों के गुस्से को नज़रअंदाज़ करना।

लोग अक्सर ब्राज़ील का उदाहरण देते हैं, जहां 1980 के दशक में इथेनॉल मिश्रण शुरू किया गया था। इसके दीर्घकालीन असर अब जाकर सामने आ रहे हैं। यह नीति 1970 के दशक में चीनी के फालतू उत्पादन का सीधा नतीजा थी और इसे चीनी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया था। पिछले चार दशकों में, इसने वहां ज़मीन के इस्तेमाल में भारी बदलाव किया है, नतीजतन, ईंधन फ़सलों के लिए जगह बनाने के वास्ते अमेज़न के जंगलों की कटाई के कारण भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। वैसे भी, बड़े पैमाने पर ऊर्जा फ़सलों की खेती के लिए भारत की जलवायु और मिट्टी की स्थिति ब्राज़ील जैसी नहीं है। किसी भी नई तकनीक की तरह, ग्रीन तकनीक को भी— चाहे वह इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक गाड़ियां—व्यापक पैमाने पर लागू करने पर अनचाहे बुरे असर हो सकते हैं। जैसे किसी नई वैक्सीन या दवा को लाने से पहले क्लिनिकल ट्रायल किए जाते हैं, वैसे ही सभी नई तकनीकों का अलग-अलग स्थितियों में कुछ समय तक फील्ड-टेस्ट किया जाना चाहिए, और उससे मिले डेटा का विश्लेषण करवाने को स्वतंत्र विशेषज्ञों को दिया जाए।

परिवहन अर्थव्यवस्था का एक अहम अंग है, और किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले उसकी कई पहलुओं से जांच होनी चाहिए और सिर्फ़ वाहन निर्माता ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के साथ उस पर चर्चा होनी चाहिए। यह काफी चौंकाने वाली बात है कि सरकार ने अपने बचाव में वाहन निर्माता कंपनियों को उन शिकायतों का जवाब देने के लिए बुलाया—जो वाहन का उपयोग करने वाले कह रहे हैं—जैसे कि माइलेज में कमी और गाड़ियों के धातु एवं रबर पुर्जों का खराब होना। दुनिया भर में वाहन निर्माता डेटा में हेरफेर करने के लिए कुख्यात हैं, जैसा कि 2015 में अमेरिका में फॉक्सवैगन एमिशन स्कैंडल में यह सामने आया था। कार बनाने वाली इस कंपनी ने अपनी कारों के डीज़ल इंजन को कुछ इस तरह प्रोग्राम किया था कि टेस्टिंग के दौरान उत्सर्जन सीमा नियंत्रण में दिखे ताकि नियामक मानकों पर खरा उतरता दिखाई दे; नतीजतन, 40 गुना ज़्यादा प्रदूषण पैदा करने वाली कारों को भी मानकों के भीतर पाया मानकर स्वीकृति दे दी गई। अगर पेट्रोलियम मंत्री के दावे के मुताबिक इथेनॉल नीति वाकई वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है, तो सरकार को उन तमाम अध्ययनों के नतीजे सार्वजनिक करने चाहिए, जो ईंधन की क्षमता, अलग-अलग पुर्जों और इंजन पर मिश्रित ईंधन के दीर्घकालीन प्रभाव और अलग-अलग तरह की गाड़ियों पर अलग-अलग परिचालन स्थितियों में परीक्षण डेटा को जांचने के लिए किए गए हों। इसके अलावा, हमें इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के पर्यावरण के अनुकूल होने के बारे में वैज्ञानिक सुबूत चाहिए, जो कि इथेनॉल के संपूर्ण पर्यावरणीय एवं कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित हो — यानी कच्चे ईंधन के उत्पादन से लेकर कारों में वास्तविक इस्तेमाल होने तक। फिर, हमें मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल करने पर लागत-लाभ विश्लेषण की ज़रूरत है। यह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि माइलेज गिरने की चिंताएं हैं। अगर माइलेज 5 प्रतिशत भी कम हो जाती है और कार उपयोग करने वालों को ज़्यादा पेट्रोल खरीदना पड़ता जाए, तो आर्थिक फ़ायदों और विदेशी मुद्रा की बचत के दावे हवा हो जाते हैं।

दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी के मामले में भी ऐसी ही बातें लागू होती हैं। यह पॉलिसी मुख्यत: दुपहिया और तिपहिया केंद्रित है। इसमें पेट्रोल से चलने वाली नई मोटरसाइकिलों और आटो-रिक्शा के पंजीकरण को बंद करने की समय-सीमा तय कर दी गई है। मुख्यमंत्री के दावे में इस कदम को सही ठहराने के लिए चुनिंदा डेटा का सहारा लिया है।

दरअसल, दिल्ली में कुल गाड़ियों में दुपहिया का अंश 62 फीसदी है, लेकिन वाहन चालन से पैदा होने वाले पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) उत्सर्जन में उनका अंश मात्र 15 प्रतिशत है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज़, बेंगलुरु के गुफ़रान बेग द्वारा प्रकाशित 2025 नीति सारांश अनुसार, हल्के और भारी व्यावसायिक वाहनों का अंश परिवहन उत्सर्जन में 39 प्रतिशत है, जबकि शहर की कुल गाड़ियों में उनकी हिस्सेदारी 3 फीसदी से भी कम है। अत: व्यावसायिक वाहनों और बसों से पैदा होने वाले उत्सर्जन को कम करने से पर्यावरण और इंसानी सेहत को सबसे ज़्यादा फ़ायदा होगा। सार्वजनिक नीतियों में तथ्य आधारित क्रमबद्ध व्यवस्था का होना जरूरी होता है।

पर्यावरण पर संसदीय स्थायी समिति ने नीति के टुकड़ों में बंटे हुए नज़रिए के ख़िलाफ़ चेताया था और सुझाव दिया था कि राज्य स्तर के बजाय एयरशेड स्तर पर उपाय किए जाएं। अगर ऐसा तरीका नहीं अपनाया गया, तो दिल्ली में ईवी अपनाने से पर्यावरण को उतना फ़ायदा नहीं होगा जितना कि होना चाहिए; क्योंकि दिल्ली के प्रदूषण फैलाने वाले वाहन पड़ोसी राज्यों में चले जाएंगे और वहां से आने वाली साझा हवा में प्रदूषण बढ़ाते रहेंगे।

सार्वजनिक हित नीति बनाने का काम भरोसेमंद और प्रासंगिक प्रमाण आधारित हो, न कि राय, अल्पकालिक लाभ, संकीर्ण राजनीतिक और कारोबारी हितों या विचारधारा पर। नीति से जुड़े फ़ैसले पारदर्शी और निष्पक्ष होने चाहिए और उनका एकमात्र मकसद जनहित हो।

बरसात में बेहाल होते शहर

पहली ही बारिश में थम गई दिल्ली, आखिर हर साल क्यों दोहराती है वही कहानी?

दिल्ली की एक प्रमुख सड़क पर भारी बारिश के बाद घुटनों तक जलभराव है। सड़क पर कारें, बसें, ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिलें ट्रैफिक में फंसी हैं, जबकि एक व्यक्ति छाता लेकर पानी के बीच से गुजर रहा है। पृष्ठभूमि में आधुनिक इमारतें, ओवरपास, घने काले बादल और बारिश के बीच चमकती इमरजेंसी लाइटें दिखाई दे रही हैं।

राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है।

इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आश्वासनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी कमोबेश वैसा ही बना हुआ है। यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं! कहने को राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है। इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि दो-तीन चिह्नित स्थलों को छोड़कर बाकी जगह का हाल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तुलनात्मक सुधार का हवाला देकर अपनी पीठ थपथपाने के बजाय समस्या की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित करे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि लोगों को बारिश में किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

एल नीनो के असर के बावजूद मानसून ने देश के हर कोने में दस्तक दे दी है। इससे किसान कुछ हद तक राहत महसूस कर रहे हैं, फिर भी कई क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण फसल की बोआई देरी से चल रही है। फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि आगे मानसून अपनी गति बरकरार रखेगा और पर्याप्त बारिश होगी।

इस कारण खेती को लेकर चिंता बरकरार है और सरकार भी इसे लेकर सजग दिख रही है। मानसून के आगमन ने जहां भारत के अनेक हिस्सों में भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं हर वर्ष की तरह उसने नगर निकायों की पोल खोल दी है, क्योंकि देश के अनेक छोटे-बड़े शहर वर्षा जनित समस्याओं और खासकर जल भराव से त्रस्त हैं। यह कोई नई बात नहीं।

दशकों से भारत के शहरों में लोग बरसात में जल भराव और उससे जुड़ी समस्याओं से जूझते हैं। इसके बाद भी नगर निकायों के काम करने के तौर-तरीके बदल नहीं रहे हैं।

हमारे नगर निकाय न तो जल भराव से निपट पा रहे हैं और न ही सीवर, नालियों और नालों को उफनने से रोक पा रहे हैं। इसी कारण बरसात होते ही जल भराव के कारण कई तरह की दुर्घटनाएं होती हैं। कहीं ट्रैफिक जाम हो जाता है, कहीं सड़कें धंस जाती हैं, कहीं करेंट उतर आता है तो कहीं लोग गड्ढों में भरे पानी या खुले मैनहोल में गिर जाते हैं।

हर बारिश में न जाने कितने लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। बीते दिनों अकेले दिल्ली-एनसीआर में मानसून की पहली बारिश में अलग-अलग दुर्घटनाओं में छह लोग मारे गए। यह बरसात की शुरुआत का हाल है। आने वाले दिनों में जलभराव के साथ कहीं-कहीं बाढ़ की भी स्थिति देखने को मिल सकती है। इसके अलावा भारी बरसात, भूस्खलन या फिर बादल फटने की घटनाओं से भी जान-माल को नुकसान हो सकता है।

केरल के जिस वायनाड में कुछ साल पहले भारी बरसात में कई लोग मारे गए थे, वहां बीते दिनों एक कंस्ट्रक्शन साइट के पास भूस्खलन से तबाही मची। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस तरह की घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं के लिए चिंता का कारण बननी चाहिए, क्योंकि वर्षा जनित समस्याओं के चलते लोगों की जान जाने के साथ शहरी ढांचे को अच्छा-खासा नुकसान भी होता है।

आखिर क्या कारण है कि जो मानसून देश की आर्थिकी के लिए अत्यधिक जरूरी है, वही ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों में तमाम समस्याओं को भी जन्म देता है? छोटे शहरों की बात तो दूर रही, देश के प्रमुख महानगर तक बारिश में गंभीर समस्याओं से घिर जाते हैं और उनमें जनजीवन बाधित हो जाता है। पिछले दिनों मुंबई में तीन दिन की भारी बरसात से आफत सी आ गई।

मुंबईवासियों को उन्हीं समस्याओं से फिर दो-चार होना पड़ा, जिनका सामना वे वर्षों से करते चले आ रहे हैं। इन समस्याओं से आजिज कुछ लोगों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उसने मामले की सुनवाई करते हुए यह कहा कि जब लोग फुटपाथ, नदी-नालों, सड़कों पर अतिक्रमण कर लेंगे तो यह नौबत तो आएगी ही। उसके अनुसार मुंबई के हालात सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के दुरुपयोग के चलते खराब हुए।

अपने देश के बड़े शहर इसलिए और अधिक समस्याओं से घिर गए हैं, क्योंकि उनके बीच स्थित गांव और पुरानी बस्तियां अनियोजित विकास का पर्याय बन गई हैं। उनमें जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होती और सीवेज सिस्टम भी दोयम दर्जे का होता है।

कभी इन गांवों की आबादी सीमित थी, लेकिन शहरीकरण के क्रम में उनकी आबादी हजारों और लाखों में हो गई है। आज दिल्ली-एनसीआर के कुछ गांवों में लाखों लोग रह रहे हैं। आम तौर पर ग्रामीण इलाकों से जो पलायन होता है, वह इन्हीं शहरी गांवों में आकर बसता है। नगर निकायों ने इन गांवों के आधारभूत ढांचे को ठीक करने के लिए जो कुछ किया है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के सामान ही है।

नगर निकाय और राज्य सरकारें इन शहरीकृत गांवों में अनियोजित विकास को रोक नहीं पा रही हैं। इसका एक कारण यह है कि सभासदों यानी पार्षदों के एजेंडे में सुनियोजित विकास है ही नहीं। एक विडंबना यह भी है कि लोग शहरीकरण की चुनौतियों के समाधान के

इरादे से सभासदों का चुनाव मुश्किल से ही करते हैं। यही स्थिति विधायकों और सांसदों के मामले में भी है। इसके चलते शहरों की रोजमर्रा की तकलीफें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अपने देश में अभी भी वोट जाति-पंथ या अन्य आधार पर दिए जाते हैं, न कि प्रत्याशी की योग्यता को देखकर।

शहरों की समस्याएं बढ़ते चले जाने के कारण न केवल लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी। जो शहर जीवन को सुगम-सुविधाजनक बनाने में सक्षम होने चाहिए, वे तनाव और आपाधापी को जन्म दे रहे हैं। देश के नेता शहरीकरण के मामले में विकसित देशों के तरीके अपनाने की बातें तो खूब करते हैं, पर वैसे तरीके अपनाने की प्रतिबद्धता नहीं दिखाते। विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए मजबूत शहरी ढांचा और नियोजित शहरीकरण अत्यधिक जरूरी है, पर हमारे शहर बेतरतीब विकास का पर्याय बन गए हैं। शहरों की नींव उनका बुनियादी ढांचा होता है, लेकिन वही विकृत हो चुका है। अब जब नींव ही विकृत हो चुकी हो तो सुनियोजित विकास कैसे हो सकता है? अपने यहां यह भी देखने को मिल रहा है कि बेहतर नगर नियोजन के नाम पर जो आधारभूत ढांचा निर्मित हो रहा है, वह या तो बहुत जल्दी नाकाफी सिद्ध होता है या दोयम दर्जे का साबित होता है। अब यह जरूरी हो गया है कि संसद में एक विशेष सत्र बुलाकर बिगड़ते शहरीकरण को संवारने के लिए कोई सार्थक बहस की जाए। इसके अतिरिक्त उन तौर-तरीकों को अपनाने की कोई ठोस रूपरेखा बनाई जाए, जिससे शहरीकरण संबंधी जो भी नियम-कानून हैं, उन पर सही तरह अमल हो। इसी के साथ नगर निकायों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों को जवाबदेह भी बनाना होगा। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो शहरी आबादी की समस्याएं तो बढ़ेंगी, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में कठिनाई भी होगी। यह ध्यान रहे कि शहरों का चरमराता बुनियादी ढांचा देश की छवि को भी खराब करने का काम कर रहा है।

एक मासूम, कई हैवान... हमारी सामूहिक खामोशी, न्याय भी मौन

राजस्थान की एक बेटी की कहानी सुनकर पिछले सप्ताह मुझे दुख और गुस्से से ज्यादा शर्मिंदगी महसूस हुई। कैसा देश है हमारा कि एक बच्ची के साथ बत्तीस दरिंदों ने पांच दिनों तक बलात्कार किया और किसी को पता तक नहीं लगा। बच्ची को एक होटल से दूसरे होटल में ले जाया जाता था, फिर भी न शहर के शासकों को खबर हुई और न पुलिस को। कैसे? क्यों? बच्ची को आटो चालक ने अगवा करके किसी होटल मालिक को बेचा। उसने आगे कई और होटल मालिकों के हवाले बच्ची को किया और इंटरनेट पर उसकी फोटो डाल कर दरिंदों को आमंत्रित किया।

किसी तरह जब वह इस नरक से जान बचा कर भागी, तो उसका इतना बुरा हाल हो चुका था कि उसकी जान अस्पताल में भी कोई नहीं बचा सका। दरिंदों को पकड़ कर रस्सियों से बांध कर शहर की सड़कों पर पिटवाने की घटना तो चर्चा का विषय बनी, लेकिन आगे क्या होगा वह भी सुन लीजिए। उनको जेल भेजा जाएगा जरूर और जिनकी थोड़ी बहुत पहुंच है, उनकी जमानत भी शायद हो जाएगी।

जम्मू के ब्लात्कारियों का क्या हुआ किसी को नहीं पता-उसके बाद कई साल उन पर मुकदमा चलेगा। इतने साल गुजर जाएंगे कि दुनिया भूल जाएगी कि उनका अपराध क्या था। क्या आप जानते हैं कि उस बच्ची के बलात्कारियों के साथ क्या हुआ था, जिन्होंने उस मासूम को जम्मू के एक मंदिर में बेहोश कर उससे बलात्कार किया था और जब मरने वाली थी, तो उसे मार डाला उसका सिर फोड़ कर? दंडित हुए भी हैं क्या? कोई नहीं जानता, क्योंकि उस बच्ची की कहानी हम बहुत पहले भूल चुके हैं। राजस्थान की इस बच्ची की कहानी सुन कर कई नेता-अभिनेता दुख व्यक्त कर चुके हैं सोशल मीडिया पर, बिल्कुल वैसे जैसे जम्मू की उस छोटी-सी बच्ची की कहानी सुन कर हुआ था। दुख व्यक्त करने वाले हमारे देश में बहुत सारे लोग हैं, लेकिन इस किस्म के घिनौने अपराधों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए बहुत कम लोग सामने आते हैं। क्यों नहीं दुख व्यक्त करने वाले ये लोग दबाव डालते हैं हमारे शासकों पर कि जब बच्चियों के साथ ऐसा होता है, तो खास अदालतों में मुकदमा चलना चाहिए, ताकि दशकों तक मुकदमा चलता न रहे? क्यों नहीं ऊंची आवाज में कहते हैं कि भारत का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए कि रोज इस देश में बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं। हर साल 31 हजार मामले दर्ज होते हैं, लेकिन जब अदालतों तक बात पहुंचती है, तो केवल 30 फीसद बलात्कारी दंडित होते हैं। ऐसा क्यों है? यह सवाल हमको बार-बार पूछना चाहिए अपने राजनेताओं से, लेकिन हम इसलिए पूछते नहीं हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि इन लोगों को ऐसी बातों की कोई परवाह नहीं है। उनका ध्यान रहता है बड़ी-बड़ी चीजों पर जैसे कि संसद में महिलाओं के लिए सीटों को आरक्षित करना। जैसे महिलाओं के वोट बटोरने के लिए उनको हर महीने पंद्रह सौ से दो हजार रुपए दिलवाना, जैसे शहर की बसों में उनके लिए मुफ्त यात्रा का इंतजाम करना, लेकिन जब हमारे देश में किसी शर्मनाक घटना के बारे में जानकारी मिलती है, तो हमारे नेता अपने बिलों में घुस जाते हैं, ताकि उनके पास कोई शिकायत लेकर न आए। लोकसभा के अंदर कुछ महिला सांसद हैं जो आवाज उठाती हैं जब कोई बहुत ही शर्मनाक घटना घटती है, लेकिन उसके बाद कभी नहीं मालूम करने की कोशिश करती हैं कि न्याय हुआ है उस बच्ची के साथ या नहीं? बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। नारा अच्छा है, बहुत अच्छा है।

राजस्थान के सीएम ने कोई आवाज नहीं उठाई

अपने प्रधानमंत्री ने एक अरसा पहले यह नारा देश की बेटियों को दिया था और कई कोशिशें अपनी तरफ से की थीं यह साबित करने के लिए कि उनके दिल में देश की बेटियों के लिए कितना प्यार है, लेकिन वास्तव में प्यार जताना होता, तो प्रधानमंत्री ऐसी घटनाओं के खिलाफ अपनी आवाज तो कम से कम उठाते। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इसलिए इतना तो हो सकता है न कि मुख्यमंत्री अपनी आवाज उठाएं। सच यह है कि बलात्कार भी राजनीतिक लिबास पहने हुए है। जब कोई घटना घटती है किसी कांग्रेस शासित राज्य में, तो भाजपाई खूब हल्ला मचाते हैं और जब भाजपा शासित राज्यों में ऐसी घटनाएं होती हैं, तो हल्ला बोलते हैं कांग्रेस के लोग।

इन नेताओं के आंसू घड़ियाली न होते, तो देश की बेटियों की किस्मत इतनी बुरी न होती। दरिंदों को रोकना है, तो सामाजिक स्तर पर काम होना जरूरी है और कानूनी स्तर पर भी। ये सारी चीजें तब होने लगेंगी, जब राजनेता नेतृत्व दिखाएंगे।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

कंपनी की रिवॉर्ड ट्रिप पर गए थे पर्यटक

हनोई।

वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे। कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें हादसे की पहली जानकारी टीवी चैनलों या दोस्तों के फोन से मिली। इसके बाद भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन ने उनसे संपर्क किया। कई परिवार अब भी अपने परिजन के पार्थिव शरीर के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शुरुआती जांच में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मौसम अचानक खराब होने और ऊंची लहरों की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, पूरे मामले की जांच जारी है।

पलटी बोट के नीचे फंस गए थे पर्यटक-भारतीय दूतावास के मुताबिक बोट में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी क्रू मेंबर थे। बोट माय रुट द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर जा रही थी। तभी अचानक मौसम बदला और तेज लहरों के बीच बोट कुछ ही सेकेंड में पलट गई। बचे हुए यात्रियों ने बताया कि हादसा इतना तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। जो लोग बोट के आगे बैठे थे वे समुद्र में कूदकर बाहर निकल गए लेकिन अंदर बैठे कई यात्री उलटी हुई बोट के नीचे फंस गए और बाहर नहीं निकल सके।

स्थानीय नाविक हा वान लोक ने बताया कि उन्होंने समुद्र में पलटी हुई बोट देखी, जिस पर कई लोग चिपके हुए थे। कुछ लोग बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में बह रहे थे। उनकी टीम ने रस्सी फेंककर लोगों को बाहर निकाला और तुरंत दूसरी रेस्क्यू टीमों को सूचना दी। बाद में जेट स्की की मदद से घायलों को किनारे पहुंचाया गया।

पूर्व सीईसी का दावा, मनमोहन ने कहा था-सुसाइड कर लूंगा

कुरैशी बोले- पूर्व पीएम की बात सुनकर चौंक गया था; मंत्री की शिकायत करने गए थे

नई दिल्ली।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने अपनी किताब 'इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर' में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा एक इमोशनल मोमेंट शेयर किया है। कुरैशी की किताब के मुताबिक 2012 में चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ मंत्रियों ने कमेंट किए। जब इनकी शिकायत मनमोहन सिंह की गई तो उन्होंने कहा था, अगर आपको ऐसा लगता है, तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। मनमोहन सिंह ने कुरैशी से यह भी कहा था कि इलेक्शन कमीशन सर्फ भारत का गौरव नहीं है, यह देश के लोकतंत्र की आत्मा है और अगर हम इसे खो देते हैं, तो हम सब कुछ खो देंगे। अपनी किताब में कुरैशी ने मनमोहन सिंह की एक ऐसे नेता के रूप में तारीफ की है, जिनके लिए संवैधानिक मर्यादा बातचीत का मुद्दा नहीं बल्कि एक जीता-जागता विश्वास था। किताब के राइटर कुरैशी भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे। वे 30 जुलाई 2010 से 10 जून 2012 तक चुनाव आयोग की बागडोर संभाली। अपने कार्यकाल में उन्होंने मतदाता जागरूकता, चुनावी खर्च निगरानी और चुनाव प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'जीरो डंपसाइट' के राष्ट्रीय लक्ष्य को मिल रही गति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के शहरों को स्वच्छ, पर्यावरण अनुकूल एवं सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के 152 नगरीय निकायों में लगभग 75 लाख घन मीटर लिगेसी वेस्ट (पुराने कचरे) के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए 310 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह परियोजना 'जीरो डंपसाइट' के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना के अन्तर्गत पुराने कचरे के निस्तारण के साथ ही इन स्थलों पर आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किए जाएंगे, जिससे भविष्य में नए डंपिंग ग्राउंड बनने की संभावना भी कम होगी और आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था मजबूत होने से शहरों के विकास को नई दिशा मिलेगी।

152 नगरीय निकायों में क्रियान्वयन-प्रदेश के 152 नगरीय निकायों में क्रियान्वित की जा रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत अब तक 30 नगरीय निकायों में 24 लाख घन मीटर से अधिक लिगेसी वेस्ट के निस्तारण के लिए कार्यादेश तथा 40 नगरीय निकायों में 35 लाख घनमीटर से अधिक कार्यों के लिए एलओए जारी किए जा चुके हैं। वहीं, 82 नगरीय निकायों में लगभग 16 लाख घन मीटर से अधिक कचरे के निस्तारण के लिए निविदा प्राप्त कर तकनीकी मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी है। केन्द्र सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत 'जीरो डंपसाइट' का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए डंपसाइट रेमिडिएशन एक्सेलेरेटर प्रोग्राम प्रारम्भ किया गया है, जिसके माध्यम से देशभर में पुराने कचरे के ढेरों का वैज्ञानिक निस्तारण तेज गति से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान में नवम्बर 2025 से मार्च 2026 तक लगभग 24 लाख घन मीटर लिगेसी वेस्ट का रेमिडिएशन किया जा चुका है। इसके अन्तर्गत पुराने कचरे को बायोमाइनिंग तकनीक के माध्यम से प्रोसेस किया जाता है। इस प्रक्रिया में पुराने कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित कर पुन: उपयोग योग्य सामग्री निकाली जाती है।

जनसेवा में समर्पित अधिकारी एवं कर्मचारी सुशासन के आधार स्तंभ

जन-विश्वास को और मजबूत करने वाला हो प्रत्येक प्रयास व नवाचार : मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ धरातल पर उतारने से ही सुशासन स्थापित होता है। इसके लिए सक्षम, प्रेरित और संतुष्ट कार्मिक व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार ने इसी सोच के अनुरूप कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही, सचिवालय की प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, ताकि कार्मिकों का मनोबल बढ़ने के साथ शासन व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके। मुख्यमंत्री का रविवार को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी एवं सचिवालय कर्मचारी संघ ने पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं नए पदों के सृजन को लेकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिक सर्वोपरि विजन को राज्य सरकार शासन की कार्य-संस्कृति का आधार बनाकर आगे बढ़ा रही है। सचिवालय सरकार की नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी निर्णयों का केंद्र है। ऐसे में हमारा हर निर्णय और प्रयास प्रदेश की 8 करोड़ जनता के विश्वास को और मजबूत करने वाला होना चाहिए। क्योंकि, प्रत्येक फाइल के पीछे किसी नागरिक की आशा, किसी किसान की उम्मीद, किसी युवा का भविष्य और किसी परिवार का विश्वास जुड़ा होता है।

कर्मचारी 'विकसित राजस्थान-2047' के सारथी-उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी गुड गवर्नेंस की धुरी और विकसित राजस्थान-2047 के महत्वपूर्ण

सारथी है। ऐसे में हमारी सरकार कर्मचारी हित में फैसले लेते हुए समयबद्ध और नियमित पदोन्नति दे रही है। इसी क्रम में कार्मिकों को पदोन्नति के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 और 2026-27 में निर्धारित अनुभव में 2 वर्ष की छूट दी गई है। इसमें प्रावधान किया गया है कि जिन कार्मिकों ने पिछले तीन वर्ष में इस छूट का लाभ नहीं लिया है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा, इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन किए जाएंगे। इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का अवसर प्राप्त होगा तथा उनकी लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाएं पूरी होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भी केंद्र सरकार के अनुरूप ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही, 30 जून को सेवानिवृत्त राज्य कार्मिकों को नोशनल वेतन वृद्धि के अनुरूप पेंशन का प्रावधान किया किया गया है।

वहीं, पेंशनर के 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता एवं कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आरजीएचएस के तहत महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को अपने माता-पिता या सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प भी दिया गया है।

उन्होंने कहा कि वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, जो 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। वहीं, राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने से वे कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के अन्य महत्वपूर्ण फैसलों में एक वर्ष के भीतर कर्मचारी द्वारा पद त्यागने की स्थिति में उस पद को प्रतीक्षा सूची से भरा जाना एवं सेवा अवधि में स्थायी अक्षमता होने पर कार्मिक के आश्रित को भी अनुकंपा नियुक्ति दिया जाना शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। जिसके तहत अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में पुत्रवधू को भी शामिल किया गया है। साथ ही, एकल महिला कर्मचारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव 3 के स्थान पर 6 चरणों में स्वीकृत करना और कार्यस्थल पर बेहतर एवं तनावमुक्त वातावरण देने के लिए 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' स्थापित करना भी महत्वपूर्ण कदम है।

नए पदों के सृजन से सचिवालय हुआ और मजबूत- उन्होंने कहा कि शासन सचिवालय की कार्यकुशलता को और अधिक मजबूत बनाने के लिए 15 सहायक शासन सचिव, 67 सहायक अनुभाग अधिकारी तथा 67 लिपिक ग्रेड प्रथम सहित कुल 149 नए पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और विभागीय पदोन्नति के मार्ग भी अधिक सुगम बनेंगे।

पेपर लीक के खिलाफ सड़कों पर दौड़ेंगे हजारों छात्र

एनएसयूआई की 5 किमी मैराथन आज; विनोद जाखड़ भी होंगे शामिल; विजेताओं को मिलेंगे पुरस्कार

जयपुर।

देशभर में भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ सोमवार (13 जुलाई) को जयपुर में छात्र सड़क पर उतरेंगे। राष्ट्रीय छात्र संगठन राजस्थान ने रन अगेंस्ट पेपर लीक थीम पर 5 किलोमीटर की मैराथन का आयोजन किया है। इस मैराथन में ह्स्ट्रु के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी मौजूद रहेंगे।

विनोद जाखड़ ने बताया- मैराथन सोमवार सुबह 5:30 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू होगी। यहां से प्रतिभागी दौड़ते हुए अल्बर्ट हॉल तक जाएंगे और फिर वापस राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंचकर मैराथन का समापन करेंगे। मैराथन को और अधिक उत्साहजनक बनाने के लिए टॉप 3 महिला और पुरुष कैटेगरी के विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

यह केवल खेल नहीं, युवाओं के हक की लड़ाई है जाखड़ ने कहा कि इस मैराथन के जरिए देश में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई जाएगी। पिछले कुछ सालों में पेपर लीक और अनियमितताओं की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य पर

सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

इससे सालों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का समय और मेहनत दोनों बर्बाद हो रहे हैं। ऐसे में यह मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि छात्रों की आवाज को बुलंद करने और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग का प्रतीक बनेगी।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग जाखड़ ने आगे कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार और संबंधित एजेंसियों का ध्यान छात्रों की गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। जाखड़ ने मांग की कि भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए और पेपर लीक के मामलों में दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई की जाए। इसी मांग को लेकर कल हजारों की संख्या में युवा सड़क पर उतरेंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया; खालड़ा का भी जिक्र, इन्हीं पर बनी सतलुज बैन हुई

जालंधर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं।

स्वतंत्र के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, दैनिक भास्कर पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही ह्वञ्ज्ञ से हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने रात के अंधेरे में ट्रेन के डिब्बों पर ये नारे लिखे। पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया है। पीएम का 15 और 17 जुलाई को लुधियाना और जालंधर दौरा प्रस्तावित हैं। पीएम इन दो दिन में किसी भी दिन आ सकते हैं। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन की नई बनी बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन वे चंडीगढ़ में भी 4 प्रोजेक्टों का उद्घाटन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर से प्रदेशव्यापी 'पौधरोपण महायज्ञ' का किया शुभारंभ

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर से 'प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ-2026' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप और आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया। पौधरोपण महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री संजय निषाद व प्रदेश के वन और पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना मौजूद रहे। सीएम योगी के मार्गदर्शन में इस बार राज्यभर में रिकॉर्ड 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसे लेकर वन विभाग के संयोजन में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस लक्ष्य में गोरखपुर को 55 लाख 28 हजार 600 पौधरोपण की जिम्मेदारी मिली है। कुल 27 विभागों के सामंजस्य से होने वाले पौधरोपण महाभियान में सबसे बड़ा लक्ष्य वन विभाग के पास है। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय संस्कृति में प्रकृति का संरक्षण केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि कृतज्ञता का भाव है। हम पृथ्वी को माता, नदियों को जीवनदायिनी और वृक्षों को प्राणवायु का आधार मानते हैं। यही कारण है कि वृक्षारोपण हमारे लिए औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिसने हमें जीवन, अन्न, जल और ऊर्जा प्रदान की है। 12

जुलाई का वृक्षारोपण महायज्ञ इसी कृतज्ञता का विराट उत्सव है। 'प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ-2026' को लेकर राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, आज उत्तर प्रदेश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया जा रहा है। इस पहल के तहत राज्य ने 35 करोड़ से ज़्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इस मौके पर पूरी सरकार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी कार्यकर्ता और आम जनता इस अभियान में पूरे जोश के साथ हिस्सा ले रहे हैं। मैं प्रदेशवासियों से अपील करता हूं कि 'एक पेड़ मां के नाम' जरूर लगाएं और राज्य को हरा-भरा बनाएं।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया 14 जुलाई को देशभर में 7 कर्मचारी राज्य बीमा स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 14 जुलाई 2026 को तेलंगाना के सनथनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल से देशभर में सात कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री सनथनगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल के नए ओपीडी ब्लॉक का प्रत्यक्ष उद्घाटन करेंगे और छह परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जिनके नाम हैं: असम के बेल्टोला में उन्नत 200 बिस्तरों वाला ईएसआईसी अस्पताल; तमिलनाडु के श्रीपेरुम्बुदुर में 100 बिस्तरों वाला ईएसआईसी अस्पताल; आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम में ईएसआईसी अस्पताल; गुजरात के सुरेंद्रनगर में ईएसआई औषधालय और शाखा कार्यालय; कोटा के उद्योग नगर में ईएसआई औषधालय और शाखा कार्यालय; और राजस्थान के भवानी मंडी में ईएसआई औषधालय।

लगभग 668 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ये चिकित्सा सुविधाएं देशभर में लगभग 53 लाख लाभार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करेंगी। केंद्रीय श्रम और रोजगार एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत, डॉ. मांडविया तेलंगाना के सनतनगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक के विकास में योगदान देने वाले निर्माण श्रमिकों को सम्मानित करेंगे और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देंगे। इस दौरान, केंद्रीय मंत्री मांडविया ईएसआई लाभार्थियों को नकद राशि भी वितरित करेंगे।

केंद्रीय जनजाति कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके का उदयपुर दौरा-

उइके ने संभाग स्तरीय जनजाति युवा कार्यशाला में की शिरकत

जयपुर। भारत सरकार के जनजाति कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके ने उदयपुर दौरे के दूसरे दिन रविवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संभाग स्तरीय जनजाति युवा कार्यशाला में शिरकत की। 'विश्वास, विकास एवं जनजाति कल्याण के 12 वर्ष' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए श्री उइके ने कहा कि हमें अतीत के गौरवशाली इतिहास को समझने की आवश्यकता है। जनजाति समाज की जड़े ऋग वैदिक काल से जुड़ी हुई है। समस्त ऋषि वन में ही रहते थे और वनों में ही ग्रंथ लिखे गए। उन्होंने कहा कि हमें वर्तमान परिदृश्य का चिंतन करना है और सही और गलत को पहचानने की जरूरत है।

भावना शक्ति जनजाति समाज का प्राण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता को आघात कर रही नकारात्मक शक्तियों को माकूल जवाब देना होगा। श्री उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। आज हम हर साल 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में अपने इतिहास को याद करते हैं। ईएमआरएस, पीएम श्री विद्यालय जनजाति अंचलो में शिक्षा में आए आमूलचूल परिवर्तन के सशक्त उदाहरण है।

संसदीय संकुल परियोजना के माध्यम से पलायन वाले क्षेत्रों हेतु ठोस परियोजनाएं बनाई गई है। पीएम मोदी द्वारा जनजाति क्षेत्रों में बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से धरती आबा योजना के जरिए 80 हजार करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। पीएम जनमन योजना हेतु 24 हजार करोड आवंटित किए जा चुके हैं।

उइके ने संभाग स्तरीय जनजाति युवा कार्यशाला में की शिरकत

यमुना जल समझौता शेखावाटी के भविष्य की नई इबारत : सतीश पूनियां

जी राजस्थान के एक कदम विकास की ओर कार्यक्रम में विकास, जल संकट, शिक्षा, रोजगार और जनसेवा पर मंथन

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। शेखावाटी की सबसे बड़ी समस्या यदि किसी एक विषय को माना जाता है तो वह है-पानी। वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे झुंझुनू, सीकर और चूरू जिले के लाखों लोगों के लिए हाल ही में हुआ यमुना जल समझौता उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। इसी मुद्दे ने जिले के चिड़ावा में आयोजित जी राजस्थान न्यूज के विशेष जनसंवाद कार्यक्रम एक कदम विकास की ओर में भी सबसे अधिक स्थान पाया। कार्यक्रम में सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद एक स्वर में माना कि शेखावाटी के विकास की सबसे बड़ी कुंजी पानी है और यमुना जल परियोजना इस दिशा में ऐतिहासिक साबित हो सकती है। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद डॉ सतीश पूनियां, राजस्थान सरकार के मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष, जी राजस्थान न्यूज के चैनल हेड डॉ मनीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, उद्योगपति, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रही। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जी राजस्थान के चैनल हेड डॉ मनीष शर्मा ने कहा कि मीडिया का दायित्व केवल खबरें दिखाना नहीं बल्कि समाज और सरकार के बीच संवाद का ऐसा सेतु बनना भी है। जो समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि एक कदम विकास की ओर अभियान का उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने के साथ-साथ विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि झुंझुनू की वीर भूमि केवल शौर्य और बलिदान के लिए ही नहीं बल्कि शिक्षा, उद्योग, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए भी पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम के दौरान बिरला एजुकेशन ट्रस्ट के उप निदेशक अजय कुमार अग्रवाल ने भी झुंझुनू में शिक्षा की संभावनाओं पर विचार रखे और केंद्र-राज्य सरकार के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। संचालन एंकर चंद्रर्षि राजपूत ने किया। आभार जिला प्रभारी संदीप केडिया ने जताया। इस मौके पर जी न्यूज के सीनियर रिपोर्टर बाबूलाल धायल, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, पूर्व विधायक जेपी चंदेलिया, भाजपा नेता राजेश दहिया, ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावंडिया, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विश्वंभर पूनियां, भाजपा नेता दिनेश धाबाई, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, सुभाष शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ अरूणा सिहाग, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया, भाजपा झुंझुनू शहर मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा, जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भाजपा चिड़ावा शहर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पूर्व पार्षद राजेंद्र कोच, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अमरसिंह तंवर, एडवोकेट सरजीत चौधरी, डॉ डीएन तुलस्यान, भाजपा जिला मंत्री विनोद कुमावत, पवन-बंटी केडिया, विकास शर्मा लोटिया, अमित सुशील गोयल, बाल कल्याण समिति की पूर्व सदस्य मनीषा केडिया, चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल, सूरजगढ़ सीआई रणजीत सेवदा, महेश आजाद, रामानंद शर्मा शिमला, रिटायर्ड एसआई बाबूलाल सैनी, टीएम खान आदि गणमान्यजन मौजूद थे।

यह केवल पानी का समझौता नहीं, देश के लिए मिसाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद डॉ सतीश पूनियां ने अपने संबोधन का केंद्र बिंदु यमुना जल समझौते को बनाया। उन्होंने कहा कि लगभग तीन दशक से लंबित इस विषय को सुलझाना आसान नहीं था। यह केवल दो राज्यों के बीच पानी का बंटवारा नहीं बल्कि विश्वास, सहमति और राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान के बीच लंबे समय से चली आ रही बातचीत को केंद्र सरकार की पहल से नया रास्ता मिला। गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता में दोनों राज्यों ने जिस प्रकार सहमति बनाई। वह पूरे देश के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि अन्य राज्यों के बीच जल विवाद होंगे तो यमुना जल समझौता एक मॉडल के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शेखावाटी की जनता की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि समझौता कब हुआ बल्कि यह है कि पानी कब पहुंचेगा। सरकार इस चिंता को समझती है। उन्होंने बताया कि तीन सौ किलोमीटर से अधिक लंबी पाइपलाइन, भूमि अधिग्रहण, तकनीकी स्वीकृतियां और निर्माण जैसे कार्यों में समय अवश्य लगेगा लेकिन परियोजना पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेगी। अपने भाषण में उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। शेखावाटी तक यमुना का पानी हर हाल में पहुंचेगा और झुंझुनू, सीकर तथा चूरू की वर्षों पुरानी प्यास जरूर बुझेगी।

शिक्षा, चिकित्सा और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले 15 व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। जन कल्याण युवा संस्था शाखा पिलानी के अध्यक्ष डॉ मनोज जांगिड़ को 21 वर्षों में 13 हजार 500 से अधिक यूनिट रक्तदान करवाने, 19 जनों को नेत्रदान करवाने तथा 100 से अधिक लोगों का देहदान पंजीकरण करवाने के लिए सम्मानित किया गया। जिला गौ सेवा समिति के जिला कोषाध्यक्ष पवन गाडिया को गौवंश संरक्षण, गौशालाओं के संचालन एवं गौसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के जिला प्रभारी राधेश्याम सुखाड़िया को दिव्यांगजनों की सहायता एवं जनकल्याण कार्यों में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। सुनिल पाटोदिया फाउंडेशन के ट्रस्टी प्रदीप पाटोदिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। स्त्री शक्ति समूह की प्रतिनिधि ललित राठौड़, रविता झाझड़िया, सुमन मील को महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों पर सम्मानित किया गया। श्री हरि कीर्तन प्रभात फेरी चिड़ावा के सुरेश मालानी, रामचंद्र शर्मा और रामनिवास वर्मा को भारतीय संस्कृति, आध्यात्म एवं सामाजिक मूल्यों के संरक्षण में उल्लेखनीय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। उप जिला अस्पताल चिड़ावा के पीएमओ डॉ नितेश जांगिड़ को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार एवं मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सम्मानित किया गया। महावीर इंटरनेशनल से जुड़े श्यामसुंदर जालान नूआंवाला को चिकित्सा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं समाजसेवा के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अजमेर डिस्कॉम के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता महेश टीबड़ा को जिले की विद्युत व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राजकीय जमनादास अडूकिया विद्यालय चिड़ावा के प्रधानाचार्य प्रदीप मोदी को शिक्षा में नवाचार, विद्यालय विकास एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए सम्मानित किया गया। युवा निशानेबाज राहुल रणवां को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इंडिया टीम ट्रायल्स के लिए क्वालीफाई करने पर सम्मानित किया गया। चिड़ावा पुलिस के कांस्टेबल अमित सिहाग को कई चर्चित आपराधिक मामलों के सफल खुलासे एवं अपराध अनुसंधान में उल्लेखनीय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। नगरपालिका खेतड़ी के सफाई निरीक्षक सुनिल सैनी को स्वच्छता व्यवस्था में सुधार एवं जनभागीदारी आधारित अभियान चलाने के लिए सम्मानित किया गया।

बीसीएमओ कार्यालय खेतड़ी के चिकित्सा अधिकारी डॉ महेंद्र सैनी को जनस्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं जिला विशेष टीम के कांस्टेबल अमित मोटसरा को इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी, गंभीर मामलों के खुलासे एवं अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम सहयोगियों को भी मिला सम्मान

कार्यक्रम में समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, जनसेवा एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों को भी सम्मानित किया गया। डॉ मधुसूदन मालानी को चिकित्सा सेवा, जनकल्याण एवं शेखावाटी के विकास में सक्रिय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी के चेयरमैन डॉ दिलीप मोदी, डायरेक्टर आकाश मोदी, प्रिंसिपल डॉ रविशंकर शर्मा तथा छात्रावास अधीक्षक कुरड़ाराम धींवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैश्विक दृष्टिकोण एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी को 80 वर्षों से अधिक समय से उत्कृष्ट आवासीय शिक्षा एवं नेतृत्व निर्माण की गौरवशाली परंपरा के लिए सम्मानित किया गया। बिरला स्कूल पिलानी को 125 वर्षों की समृद्ध शैक्षिक विरासत एवं आधुनिक शिक्षा में नवाचार के लिए सम्मानित किया गया। बिरला बालिका विद्यापीठ पिलानी को बालिका शिक्षा, वैश्विक नेतृत्व निर्माण एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। महालक्ष्मी ज्वैलर्स के महासिंह मांठ को शुद्धता, विश्वास एवं उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के साथ आभूषण व्यवसाय में उल्लेखनीय पहचान स्थापित करने पर सम्मानित किया गया। आरएपीएल ग्रुप (राजस्थान औषधालय प्रा. लि.) के साजिद दिवान को आयुर्वेद, अनुसंधान एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सात दशकों से अधिक के योगदान के लिए सम्मानित किया गया। नगरपालिका खेतड़ी को स्वच्छता, आधारभूत विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सम्मानित किया गया। एमडी ग्रुप ऑफएजुकेशन चिड़ावा के चेयरमैन सुनिल डांगी को बोर्ड परीक्षाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करने पर सम्मानित किया गया। नगर परिषद झुंझुनू के एईएन लोकेश दूलड़ को शहरी विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित कार्यों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। नगरपालिका चिड़ावा के ईओ दिनेश नूनियां को जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सम्मानित किया गया।

जल समझौता दशकों की प्रतीक्षा का परिणाम : चतुर्वेदी

राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि शेखावाटी का इतिहास संघर्ष का रहा है। यहां के लोगों ने सीमित संसाधनों में भी शिक्षा, उद्योग और सेना में देशभर में पहचान बनाई लेकिन पानी की कमी हमेशा इस क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में पहली बार यमुना जल समझौते की दिशा में प्रयास हुए थे लेकिन वह धरातल पर नहीं उतर सके। इसके बाद कई वर्षों तक यह विषय राजनीतिक चर्चाओं तक सीमित रहा। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से समझौते को नया जीवन मिला है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत पाइपलाइन के माध्यम से पानी सबसे पहले राजगढ़-सादुलपुर क्षेत्र तक पहुंचेगा और वहां से झुंझुनू, सीकर एवं चूरू जिले में वितरण किया जाएगा। उन्होंने इसे केवल पेयजल परियोजना नहीं बल्कि आने वाले दशकों में शेखावाटी के आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार बताया। डॉ चतुर्वेदी ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बिजली, सौर ऊर्जा, रोजगार, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं मजबूत होने से उद्योगों का विस्तार होगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

डबल इंजन सरकार ने विकास को दी नई गति : कुमावत

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता के कारण राजस्थान विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता केवल घोषणाएं करना नहीं बल्कि योजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि बिजली, पेयजल, सड़क, कृषि, पशुपालन और ग्रामीण विकास जैसे प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं जिनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्षों से जिस पानी का इंतजार किया जा रहा था, उसे साकार करने की दिशा में अब ठोस कदम उठ चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों से हरियाणा के साथ हुआ यह समझौता क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाला साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि परियोजना पूरी होने के बाद झुंझुनू, सीकर और चूरू सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र को स्थायी पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे आमजन के जीवन के साथ कृषि और उद्योग को भी नई ऊर्जा मिलेगी। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि शेखावाटी की जनता वर्षों से पानी का इंतजार कर रही है। उन्होंने यमुना जल समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि यह परियोजना तेजी से आगे बढ़े और लोगों को इसका लाभ मिले।

मीडिया को समाधान की दिशा में काम करना चाहिए

कार्यक्रम के दौरान डॉ मनीष शर्मा ने कहा कि समाज में मीडिया की भूमिका लगातार बदल रही है। उन्होंने कहा कि केवल नकारात्मक खबरें दिखाना पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं हो सकता। मीडिया को उन लोगों और संस्थाओं को भी सामने लाना चाहिए जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जी राजस्थान का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में ऐसे संवाद आयोजित किए जाएं, जहां सरकार, समाज और विशेषज्ञ एक मंच पर बैठकर विकास के मुद्दों पर खुलकर चर्चा करें।

शेखावाटी की समस्याओं और संभावनाओं पर भी हुई चर्चा

वक्ताओं ने कहा कि शेखावाटी केवल सैनिकों की भूमि नहीं बल्कि शिक्षा, उद्योग और उद्यमिता की भी राजधानी रही है। यहां से देश-विदेश में हजारों लोग विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके हैं। यदि पानी, उद्योग और बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो यह क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर सकता है। कार्यक्रम में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, निवेश, नगर निकायों के विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और सामाजिक सहभागिता जैसे अनेक विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। करीब दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इसे केवल सम्मान समारोह नहीं बल्कि शेखावाटी के विकास से जुड़े मुद्दों पर गंभीर संवाद का मंच बताया। वक्ताओं ने कहा कि विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और मीडिया की साझी भागीदारी से ही क्षेत्र को नई दिशा मिल सकती है।

जोधपुर एयरपोर्ट का नवीन टर्मिनल हुआ संचालित

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम यात्री को किया रवाना

पारंपरिक राजस्थानी स्वागत, लोक संस्कृति की छटा और यात्रियों के उत्साह के साथ नए टर्मिनल से शुरू हुआ नियमित परिचालन

जयपुर।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 4 जुलाई को राष्ट्र को समर्पित किए गए जोधपुर एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल भवन से रविवार को नियमित विमान सेवाओं का शुभारंभ हो गया। नवीन टर्मिनल के संचालन के प्रथम दिवस पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम उड़ान के यात्री श्री चंद्रवीर सिंह को टिकट एवं स्वागत किट प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस अवसर पर नवीन टर्मिनल पर प्रथम उड़ान से आने वाले सभी यात्रियों का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। लंगा-मांगणियार कलाकारों की मनमोहक लोक प्रस्तुतियों, बैंड बाजे की मंगलध्वनि तथा पुष्पगुच्छ के साथ यात्रियों का अभिनंदन किया गया। नवीन टर्मिनल परिसर में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण रहा। इस ऐतिहासिक अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने यात्रियों के साथ केक काटकर इस गौरवपूर्ण क्षण का उत्सव भी मनाया। मीडिया से संवाद करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से जोधपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण एवं नवीन टर्मिनल के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। अनेक चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद आज यह संकल्प पूर्णता तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से 4 जुलाई को लोकार्पित नवीन टर्मिनल से आज नियमित विमान सेवाओं का संचालन प्रारंभ होना जोधपुर एवं समूचे मारवाड़ क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि उद्घाटन के अवसर पर किए गए वादे के अनुरूप 12 जुलाई से नियमित विमान सेवाएं प्रारंभ कर दी गई हैं। सूर्योदय के साथ ही नवीन टर्मिनल से परिचालन शुरू होना इस बात का प्रतीक है कि जोधपुर अब आधुनिक नागरिक उड्डयन सुविधाओं के नए युग में प्रवेश कर चुका है। श्री शेखावत ने कहा कि नवीन टर्मिनल से यात्रा करने वाले यात्रियों के उत्साह और संतोष को देखकर यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि जोधपुर आने और यहां से जाने वाले प्रत्येक यात्री को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ शहर की समृद्ध संस्कृति एवं आत्मीयता का अनुभव होगा। यह टर्मिनल जोधपुर की नई पहचान और बढ़ती विकास यात्रा का सशक्त प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में आज जोधपुर एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या दस गुना से अधिक बढ़ चुकी है तथा विमान परिचालन में भी लगभग दस गुना वृद्धि हुई है। आज जोधपुर देश के अधिकांश प्रमुख शहरों से हवाई संपर्क स्थापित कर चुका है तथा शीतकालीन पर्यटन सत्र के दौरान इसकी कनेक्टिविटी और अधिक व्यापक हो जाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र के निरंतर विस्तार के साथ आने वाले वर्षों में जोधपुर की हवाई संपर्क व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक होगी।

श्री शेखावत ने कहा कि बीते वर्षों में नागरिक उड्डयन के साथ-साथ रेल एवं सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में भी जोधपुर ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नई रेल सेवाओं, आधुनिक रेलवे अधोसंरचना, फोरलेन सड़कों, एलिवेटेड रोड एवं बाईपास जैसी विकास परियोजनाओं ने क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान की है, जिससे आमजन एवं यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इस अवसर पर शहर विधायक श्री अतुल भंसाली, श्री राजेन्द्र पालीवाल, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में यात्री उपस्थित रहे।

पार्श्व गायिका एस. जानकी के निधन पर राष्ट्रपति मुर्मु, केंद्रीय गृह मंत्री ने जताया शोक

कहा- 'भारत ने एक संगीत आइकन खो दिया'

नई दिल्ली

पार्श्व गायिका एस. जानकी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित प्रमुख नेताओं ने दुख व्यक्त किया और कहा कि भारत ने एक संगीत आइकन खो दिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मशहूर पार्श्व गायिका एस. जानकी अम्मा के निधन से भारत ने एक संगीत आइकन खो दिया है। उनकी असाधारण गायकी ने पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनका शानदार करियर छह दशकों से ज़्यादा का रहा, इस दौरान उन्होंने हिंदी, ओडिया, तुलु, उर्दू, पंजाबी और बंगाली समेत लगभग 20 भारतीय भाषाओं में हज़ारों गाने रिकॉर्ड किए। उनका सदाबहार संगीत हमेशा कीमती रहेगा। मैं उनके परिवार और अनगिनत चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मशहूर पार्श्व गायिका एस. जानकी अम्मा के निधन से बहुत दुख हुआ। एक मधुर आवाज ने उन गीतों में जान डाल दी जो विभिन्न भाषाओं में हमेशा के लिए क्लासिक बन गए। हमारे देश के सबसे सम्मानित सांस्कृतिक प्रतीकों में से एक, वह संगीत की दुनिया में एक ऐसा खालीपन छोड़ गई हैं जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। बता दें कि मैसूरु तालुक के कनियानाहुंडी फार्म में दिग्गज पार्श्व गायिका एस. जानकी अम्मा का अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। मशहूर पार्श्व गायिका एस. जानकी अम्मा का शनिवार को 88 साल की उम्र में मैसूर में निधन हो गया। एस. जानकी के अंतिम दर्शन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में प्रशंसकों के शामिल होने की उम्मीद है। 4 एसीपी, 12 इंस्पेक्टर, 20 पीएसआई, 3 केएसआरपी यूनिट और 3 कमांडो फोर्स यूनिट सहित कुल 455 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। उनके पार्थिव शरीर को उनके घर से महाराजा ग्राउंड ले जाया जा रहा है। एस. जानकी ने कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी समेत 20 भाषाओं में 48,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए। उन्होंने सबसे अधिक गाने कन्नड़ भाषा और उसके बाद मलयालम भाषा में गाए। उन्होंने 1957 में तमिल फिल्म विधियिन विलायटू से प्लेबैक सिंगिंग में डेब्यू किया था। उसी साल मलयालम सिनेमा के साथ जानकी का जुड़ाव शुरू हुआ। पार्श्व गायिका के रूप में अपने पहले ही वर्ष में उन्होंने छह अलग-अलग भारतीय भाषाओं में गाने रिकॉर्ड किए, जिससे भारतीय संगीत के इतिहास में सबसे शानदार करियर की शुरुआत हुई। जानकी ने 1970 में बेस्ट सिंगर के तौर पर अपना पहला केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड जीता। अगले लगभग 15 सालों तक इस कैटेगरी में उनका दबदबा रहा। 1957 से 2017 तक चले अपने करियर में उन्होंने चार राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड और 33 राज्य फिल्म अवॉर्ड जीते। (इनपुट-आईएएनएस)

शिक्षक ने जन्मदिन पर 400 पौधें लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निसं

तारानगर (नवयत्न)। ढाणी पूनिया गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक धनराज सहारण ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों व ग्रामीणों के साथ विद्यालय परिसर में 400 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सहारण ने सभी पौधों की देखभाल का भी जिम्मा लिया। इस अवसर पर संस्था प्रधान सुनीता सीलु, श्योलाराम, भतेरी, मीना जांगिड़, सुरेंद्र, धर्मपाल पूनिया आदि शिक्षक तथा ग्रामीण मौजूद थे।

विद्यालय परिसर में किया पौधरोपण

निसं

तारानगर (नवयत्न)। नेठवा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव, हरियालो राजस्थान व एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए व उनकी समुचित देखभाल की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुरेश कुमार शर्मा, पूर्व सरपंच लीलाधर बागोरिया, रामकुमार कलिया, जुगलाल, ज्ञानसिंह, नरेन्द्र कुमार, नवोलना, इन्द्रदास, मदन सिंह, रामदत, राजेन्द्र कुमार आदि अनेक शिक्षक, विद्यार्थी तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत्कथा के पोस्टर का हुआ विमोचन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सियाराम बाबा बगीची में 22 से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जायेगा, जिसके तहत श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा। महामण्डलेश्वर श्याम सुंदर दास त्यागी महाराज ने बताया कि ब्रह्मलीन संतों की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित होने वाली कथा के कार्यक्रम के तहत 22 जुलाई को सुबह 9 बजे सती माता मंदिर से बगीची तक कलश यात्रा निकालने के साथ कथा का शुभारंभ होगा। व्यासपीठ पर कुल्लू मनाली नेहरू कुंड के कथावाचक सुदर्शन दास महाराज कथावाचन करेंगे। रविवार को कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर महंत शिवपाल दास, शिवरामदास, मोहनदास सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जनता आयुक्त का इंतजार कर रही थी, लगाया कनिष्ठ अभियंता

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय नगरपरिषद कार्यालय में पिछले डेढ़ वर्ष से आयुक्त का पद रिक्त पड़ा है लेकिन लगता है सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। आयुक्त लगने का इंतजार करने वाली सुजानगढ़ की जनता को आयुक्त के बजाय कनिष्ठ अभियंता मिल गया है। लोग आयुक्त का पद रिक्त होने के कारण परेशान हैं, बार-बार नगरपरिषद के चक्कर लगाते हैं लेकिन काम देरी से होते हैं। वहीं नगरपरिषद में रिक्त चल रहे कनिष्ठ अभियंता के पद पर फिर से जेईएन कमलेश कुमार सुखानिया को लगा दिया गया है। आपको बता दें कि भाजपा नेताओं और निवर्तमान पार्षदों ने ही कमलेश कुमार को यहां से धरना देकर रवाना करवाया था। लगातार भाजपा नेताओं ने 23 दिनों तक नगरपरिषद के सामने धरना दिया, तब जाकर फरवरी माह में एपीओ किए गए कनिष्ठ अभियंता को फिर से सुजानगढ़ लगा दिया गया है। जिसके कारण अंदरखाने भाजपा के कुछ नेता नाराज होने की स्थिति में आ गए हैं।

दो हादसों में तीन युवक घायल

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 3 युवक घायल हो गए हैं। पहली दुर्घटना में हनुमानगढ़-किशनगढ़ मेगा हाईवे पर आबसर फांटा के पास शनिवार रात करीब 9 बजे सड़क पर अचानक पशुधन आ जाने से, उससे टकराकर गिरकर बाइक सवार श्यामलाल सुथार आबसर घायल हो गया, जिसे राहगीर आमिर खान अपने निजी वाहन से सरकारी अस्पताल सुजानगढ़ लाये। जहाँ टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार की सहायता से इमरजेंसी में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। श्यामलाल को हायर सेंटर रैफर किया गया है।

इसी प्रकार दूसरी सड़क दुर्घटना नागौर-सालासर हाईवे पर देर रात करीब सवा 2 बजे हुई जहाँ स्कूटी सवार रणजीत मेघवाल निवासी ढाणी रीडमल, विक्रम मेघवाल निवासी रिडमल को ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी और फरार हो गया। 108 लाडनू के युधिष्ठिर, टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार तथा अन्य की सहायता से सुजानगढ़ अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्वयं सेवी संस्था डॉ बी आर अंबेडकर प्रशिक्षण संस्थान द्वारा स्थानीय राजकीय चिकित्सालय के सामने सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार के विविध पहलुओं पर संस्थान सचिव श्रवण सोनी ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वाहन संचालन के दौरान तीव्र गति तथा सुरक्षा मानको की अनदेखी करना ही दुर्घटनाओं का मुख्य कारण होता है। इसलिए हम सभी को संयुक्त रूप से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे दुर्घटना कतई ना हो। इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी निदेशक और भारत रंजन सोनी ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित बुकलेट तथा कैलेंडर आदि का वितरण किया। कार्यक्रम में योगेश कुमार गौड़, रघुनाथ प्रसाद मेघवाल, नूर मोहम्मद, रवि प्रकाश सरावगी, सुशील कुमार सोनी, गिरधारी लाल सिंघानिया, कमलेश गोदारा, पुनीत सोनी, करण सोनी, भागीरथ शर्मा आदि ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन रेशम नायक छाबड़ी खारी एवं कोमल लुहार परसनेउ ने संयुक्त रूप से किया।

दोस्तों ने ही रची साजिश : युवक के दोनों पैर तोड़ बाइक लूटकर फरार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। करणी विहार थाना क्षेत्र में दोस्ती को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। यहां कुछ युवकों ने अपने ही परिचित युवक का रास्ता रोककर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों ने इतनी बेरहमी से मारपीट की कि युवक के दोनों पैर टूट गए। इसके बाद आरोपी उसकी बाइक छीनकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। हेड कांस्टेबल राधेश्याम ने बताया कि पांच्यावाला निवासी राजेश मेहरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार उनका बेटा मिथलेश शनिवार शाम करीब साढ़े 6 बजे बाइक से घर लौट रहा था। जब वह कनकपुरा रेलवे स्टेशन स्थित श्मशान घाट के पास पहुंचा तो उसके परिचित मयंक और युवराज ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि रास्ता रोकते ही आरोपियों ने मिथलेश पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा लेकिन इसके बाद भी आरोपी उसे पीटते रहे। मारपीट में उसके दोनों पैर टूट गए। वारदात के बाद आरोपी घायल युवक को मौके पर छोड़कर उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर राहगीरों और परिजनों की मदद से मिथलेश को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने पीड़ित के पिता की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। नामजद आरोपी मयंक, युवराज और उनके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर वारदात के पीछे की वजह का भी खुलासा किया जाएगा।

चिकित्सा शिविर कल

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कस्बे के रोटरी क्लब सनराइज चौधरी नाथूराम भामू एस हॉस्पिटल के पास मंगलवार को प्रात: 9:30 बजे से 12 तक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। नोवंता मल्टी स्पेशलिस्टी हॉस्पिटल के दीपक शर्मा ने बताया कि हड्डी एवं जोड़ विशेषज्ञ डॉक्टर सत्यम, चेस्ट एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सिद्धार्थ मिश्रा, स्त्री रोग एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूजा, जनरल फिजिशियन इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर के डॉक्टर के.के. बाजिया द्वारा नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा।

नगर पालिका चिड़ावा को मिले नए अधिशासी अधिकारी, गौतम शर्मा जल्द संभालेंगे कमान

विजेंद्र सिंह लमोरिया

चिड़ावा (नवयत्न)। राज्य सरकार द्वारा जारी प्रशासनिक फेरबदल की सूची में नगर पालिका चिड़ावा के अधिशासी अधिकारी के पद पर गौतम शर्मा की नियुक्ति की गई है। 2025 बैच के चतुर्थ अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा मूलत: सूरजगढ़ के निकटवर्ती गांव धींगड़िया के निवासी हैं। वे शीघ्र ही चिड़ावा नगर पालिका में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के अनुसार गौतम शर्मा वर्तमान में नगर परिषद चूरू में कार्यरत थे। वहां से स्वेच्छा से एपीओ होने के बाद अब राज्य सरकार ने उन्हें चिड़ावा की जिम्मेदारी सौंपी है। स्थानीय परिवेश और क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों की जानकारी होने के कारण उनकी नियुक्ति को चिड़ावा के प्रशासनिक विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिनेश कुमार नूनिया का पिलानी स्थानांतरण

चिड़ावा के वर्तमान अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार नूनिया का तबादला विद्याविहार, पिलानी नगर पालिका में कर दिया गया है। वहां वे निवर्तमान अधिशासी अधिकारी प्रियंका बुडानिया का स्थान लेंगे। नूनिया का पिलानी स्थानांतरण होने के बाद अब चिड़ावा की बागडोर गौतम शर्मा संभालेंगे।

तेरापंथ युवक परिषद की नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा में तेरापंथ युवक परिषद की नवगठित कार्यकारिणी (2026-27) का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को महावीर चौक स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ। समारोह में नवनियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने समाजसेवा, संगठन और संस्कारों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की शपथ ली।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित अध्यक्ष गजेन्द्र पारख ने की। इस दौरान उपाध्यक्ष प्रथम सम्पतलाल चौरड़िया, उपाध्यक्ष द्वितीय नवरत्न बैद, मंत्री अरिहंत सुखलेचा, सह मंत्री प्रथम पुलकित ललवानी, सह मंत्री द्वितीय विशाल पारख, कोषाध्यक्ष संदीप चौरड़िया और संगठन मंत्री अभिषेक भूरा सहित सभी पदाधिकारियों ने अपने दायित्व ग्रहण किए।

विभिन्न विभागीय टीमों का भी हुआ परिचय

समारोह में वर्ष 2026-27 के लिए गठित कार्यकारिणी सदस्यों और परिषद की विभिन्न विभागीय टीमों का परिचय कराया गया। इनमें नेत्रदान टीम, जैन संस्कार विधि टीम, आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, तेरापंथ टास्क फोर्स और जैन तेरापंथ न्यूज की टीमें शामिल रहीं। इसके अलावा तेरापंथ किशोर मंडल, मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव, युवा वाहिनी, सामायिक साधक टीम, भजन मंडली और फिट युवा हीट युवा टीम के प्रभारी एवं सह-प्रभारियों ने भी अपने दायित्व स्वीकार किए।

सेवा और संगठन को मिलेगा विस्तार

नवनिर्वाचित अध्यक्ष गजेन्द्र पारख ने कहा कि तेरापंथ युवक परिषद सेवा, संस्कार और संगठन की भावना को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष में परिषद रक्तदान, नेत्रदान, स्वास्थ्य सेवाएं, जैन संस्कार विधि, युवा जागरण, सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे जनकल्याणकारी कार्यों को व्यापक स्तर पर संचालित करेगी।

वरिष्ठजनों ने दी शुभकामनाएं

समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल चौपड़ा सहित सुशील भूरा, रूपचंद बैद, दिनेश समदड़िया, अश्विनी बैद, रितिक बुच्चा, हुलाश कोचर, पवन डागा और ऋषभ पारख मौजूद रहे। वरिष्ठजनों और महिला मंडल के सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि नई टीम परिषद की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए समाजोपयोगी कार्यों में नए आयाम स्थापित करेगी। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, विभिन्न विभागीय टीमों के सदस्य, समाज के वरिष्ठजन, युवा साथी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

माहेश्वरी महिला मंडल ने किया सुंदरकांड पाठ

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने अपने नये सत्र का आगाज सुंदर कांड के पावन पाठ से किया।

अध्यक्ष प्रमिला राठी ने बताया कि माहेश्वरी सेवा सदन में हुए कार्यक्रम में भक्ति, श्रद्धा, उल्लासमय वातावरण में समाज की बड़ी संख्या में सदस्य महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर मधुर स्वर में पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में आरती व प्रसाद वितरण किया गया। सभी महिलाओं ने मन से पाठ में सहयोग किया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी लड़ा के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। मंत्री स्वाति चांडक ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

रेल्वे के दोनों अण्डरपास पानी से भरे

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। निकटवर्ती ग्राम हांसपुर के दोनों रेल्वे अंडर पास पानी से भर जाने के कारण पिछले 10 दिनों से आने जाने वाले लोग परेशान हैं । पूर्व पंच रामावतार वर्मा ने बताया कि अंडरपास में भरे पानी में से वाहनों को निकालते समय बहुत से लोग चोटिल हो चुके है। प्रशासन को बार-बार कहने पर भी कोई समाधान नहीं हुआ, परिणाम स्वरूप जनता परेशान है।

प्रेरक प्रसंग

नाम नहीं... नेकी याद रखना...

नवयत्न।

आप सही थे... शायद मैं भी आपकी जगह होता तो यही करता। लेकिन आपको एक बात कभी नहीं पता चली। स्कूल की नई लाइब्रेरी बनाने के लिए शहर के जिस ट्रस्ट ने सबसे बड़ा दान दिया था... वह ट्रस्ट मेरे ही नाम से बना था। मैं नहीं चाहता था कि बच्चे लाइब्रेरी का नाम हरिराम के नाम से याद रखें। मैं चाहता था... वे सिर्फ़ किताबों को याद रखें। इसलिए मैंने अपना नाम छिपा लिया। मुझे माफ़ करना।

गोविंद मास्टर की छड़ी हाथ से छूट गई। उनकी आँखों से आँसू लगातार बह रहे थे।

उन्होंने काँपती आवाज़ में कहा- मैंने ... मैं बच्चों को सालों तक यही पढ़ाता रहा कि हरिराम जैसा मत बनना... आज लगता है... मुझे खुद हरिराम जैसा बनने की ज़रूरत थी।

अब तक गाँव में सन्नाटा फैल चुका था। किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी कि हरिराम को बुरा कह सके। लेकिन तभी भीड़ में से एक आवाज़ आई। अगर वो इतना अच्छा था ... तो सारी ज़िंदगी सच क्यों नहीं बताया? सबकी नज़र वकील दयानंद पर गई। उन्होंने गहरी साँस ली।

इस सवाल का जवाब... उन्होंने संदूक के सबसे नीचे रखा एक मोटा-सा लिफ़ाफ़ा उठाया। उस पर लिखा था- इसे सबसे अंत में पढ़ना... यही मेरी असली सज़ा है। वकील ने लिफ़ाफ़ा अपने सीने से लगा लिया। उनकी आँखें भी भीग चुकी थी।

उन्होंने धीमे स्वर में कहा- इसमें ऐसा सच लिखा है... जो शायद इस गाँव को हमेशा के लिए बदल देगा। आँगन में खड़े हर आदमी की साँसें थम गईं।

हरिराम की अर्थी अब भी वहीं रखी थी... लेकिन अब कोई उसे कंजूस नहीं कह रहा था। सबके मन में सिर्फ़ एक सवाल था- आख़िर ऐसा कौन-सा दर्द था... जिसे छिपाने के लिए उसने पूरी ज़िंदगी बदनाम रहना स्वीकार कर लिया? पूरा आँगन खामोश था। हरिराम की अर्थी वैसे ही पड़ी थी। लेकिन अब किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी कि उसकी तरफ़ आँख उठाकर देख सके।

वकील दयानंद ने संदूक के सबसे नीचे रखा मोटा-सा लिफ़ाफ़ा उठाया। उस पर लिखा था- इसे तभी पढ़ना... जब लोग मुझे बुरा कहना छोड़ दें। वकील की आवाज़ काँप रही थी। उन्होंने चिट्ठी खोली। उसमें लिखा था- अगर यह चिट्ठी पढ़ी जा रही है, तो शायद पहली बार गाँव वाले मुझे सुनने के लिए तैयार हैं। तुम सब सोचते रहे कि मैं जन्म से कंजूस था। लेकिन सच यह है कि मैं ऐसा पैदा नहीं हुआ था... मुझे ऐसा बनना पड़ा। आज से बाईस साल पहले मेरा भी एक बेटा था-मोहन। वह सिर्फ़ दस साल का था। उसे दिल का ऐसा रोग था, जिसका इलाज शहर में होना था।

डॉक्टर ने कहा -तीन लाख रुपये जमा कर दो, बच्चा बच जाएगा। मैं पूरे गाँव में हाथ जोड़ता रहा। जिसके खेत जोते... उसके सामने रोया। जिसकी बेटी की शादी में मुफ़्त काम किया... उसके पैरों में गिरा। लेकिन हर किसी ने एक ही बात कही-हमारे पास नहीं है। उस रात मेरा बेटा मेरी गोद में मर गया। आँगन में खड़े लोगों के शरीर में जैसे जान ही नहीं रही। कुछ बुज़ुर्ग सिर झुकाकर रोने लगे।

वकील आगे पढ़ने लगे- उस दिन मैंने किसी से नफ़रत नहीं की। बस एक फैसला किया। मैं अपनी ज़िंदगी में इतना पैसा जोड़ूँगा कि मेरे गाँव का कोई पिता पैसे के कारण अपना बच्चा न खोए। मैंने खाना कम खाया... नए कपड़े नहीं खरीदे... त्योहार नहीं मनाए ... इसलिए नहीं कि मुझे पैसे से प्यार था बल्कि इसलिए कि मुझे किसी और के आँसू से डर लगता था। लोग एक-दूसरे का चेहरा देखने लगे।

जिन फटे कपड़ों पर वे हँसते थे... आज वही कपड़े उनकी शर्म बन चुके थे। वकील की आँखों से आँसू गिर रहे थे।

उन्होंने आख़िरी पन्ना खोला। तुम सबके मन में एक सवाल होगा-अगर मैं मदद करता था, तो नाम क्यों छिपाता था? क्योंकि जिस दिन मेरा बेटा मरा था उसने आख़िरी साँस लेते हुए मुझसे कहा था ...पापा किसी की मदद करना... लेकिन उसे कभी एहसान मत महसूस होने देना। मैंने उसी दिन उससे वादा किया था। इसलिए मैंने हर मदद के बदले अपनी बदनामी चुनी। लोग मुझे कंजूस कहते रहे... और मैं चुप रहा। क्योंकि किसी की इज़्ज़त बचाने से बड़ी कोई कमाई नहीं होती। वकील अब पढ़ नहीं पा रहे थे। उनकी आवाज़ टूट चुकी थी।

उन्होंने काँपते हाथों से आख़िरी पन्ना खोला। उस पर सिर्फ़ एक इच्छा लिखी थी- अगर मेरी मौत के बाद कभी सच सामने आए... तो मेरी चिता पर फूल मत चढ़ाना। उस पैसे से किसी अनजान बच्चे की स्कूल फीस भर देना। यही समझूँगा... मेरा मोहन आज भी किसी न किसी बच्चे की मुस्कान बनकर ज़िंदा है।

पूरा गाँव फूट-फूटकर रो पड़ा। रामू लोहार सबसे पहले अर्थी के पास गया। उसने हरिराम के पैरों पर सिर रख दिया। भैया ... माफ कर दो... फिर सवित्री काकी आई... फिर मास्टर साहब... फिर एक-एक करके पूरा गाँव। जिस अर्थी को सुबह चार कंधे नहीं मिल रहे थे... अब उसे कंधा देने के लिए सैकड़ों लोग खड़े थे।

कई लोग रोते हुए कह रहे थे- पहला कंधा मैं दूँगा... नहीं... पहले मैं... आखिर गाँव के बुज़ुर्ग ने कहा- आज हरिराम को चार नहीं ... पूरा गाँव कंधा देगा। और सचमुच... लोग बारी-बारी से कंधा बदलते रहे। श्मशान तक शायद ही कोई ऐसा आदमी बचा हो जिसने उस अर्थी को एक बार न उठाया हो।

उसकी तेरहवीं के दिन पंचायत ने एक और संदूक चौपाल में रख दिया। उस पर लिखा था- हरिराम सहायता पेटी, नीचे एक छोटी-सी पंक्ति थी- जिस दिन किसी की मदद करो... अपना नाम मत लिखना। कहते हैं... आज भी उस पेटी में हर महीने चुपचाप पैसे आ जाते हैं। किसी को नहीं पता कौन डालता है। शायद... हरिराम की सबसे बड़ी दौलत उसके रुपये नहीं थे... उसका चरित्र था। और चरित्र की सबसे बड़ी पहचान यही है- वह इंसान के चले जाने के बाद भी लोगों के दिलों में जिंदा रहता है। ... ... स्रोत व्हाट्सएप

जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

निसं

चूरू (नवयत्न)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सभी ब्लॉकों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। सीईओ श्वेता कोचर ने बताया कि 13 जुलाई को चूरू उपखंड की सोमासी व खण्डवा पटटा चूरू, राजगढ़ उपखंड की मोडावासी व भुवाडी, रतनगढ़ उपखंड की बीनादेसर, सरदारशहर उपखंड की बोघेरा व दुलरासर, बीदासर उपखंड की कातर छोटी तथा सुजानगढ़ उपखंड की भाषीणा व मगरासर ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 14 जुलाई को चूरू उपखंड की घण्टेल, राजगढ़ उपखंड की चैनुपरा छोटा व लम्बोर बड़ी, रतनगढ़ उपखंड की रतनादेसर, सरदारशहर उपखंड की पिचकराई ताल व रूपलीसर, बीदासर उपखंड की सांडवा तथा सुजानगढ़ उपखंड की खूडी ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 15 जुलाई को चूरू उपखंड की रिबिया, राजगढ़ उपखंड की लीलावठी व बेवड, सरदारशहर उपखंड की मेहरासर चाचेरा व बुकनसर बड़ा, बीदासर उपखंड की रेडा तथा सुजानगढ़ उपखंड की खारिया कनिराम ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग, सीकर गार्गी शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि जिले में 31 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बालक एवं बालिकाएं, जिन्होंने वीरता, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, वे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु उपयुक्त नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक बालक एवं बालिकाएं राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद्म पुरस्कार 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। इसी क्रम में पद्म पुरस्कार 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को निर्देशित किया है कि वे पद्म पुरस्कार के लिए योग्य उम्मीदवारों के प्रस्ताव अभिशंसा सहित जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित करें। साथ ही संभावित उम्मीदवारों को समय रहते ऑनलाइन आवेदन करने के लिए भी निर्देशित किया जाए।

एचजेयू में प्रवेश के लिए 15 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय एचजेयू में अकादमिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन अब 15 जुलाई तक किए जा सकते हैं। प्रवेश संबंधी पूरी जानकारी और आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को ऑनलाइन ही आवेदन करना है। पत्रकारिता और जनसंचार में तीन वर्षीय स्नातक पाठयक्रम बीए-जेएमसी के साथ ही चार वर्षीय बीए-जेएमसी ऑनर्स इन मीडिया स्टडीज और दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों-एमए मीडिया स्टडीज, एमए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एमए विज्ञापन एवं जनसंपर्क एमए न्यू मीडिया और एमए विकास संचार के लिए आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा स्ववित्तपोषित पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों-पीजी डिप्लोमा इन डेस्कटॉप पब्लिशिंग, पीजी डिप्लोमा इन फोटोग्राफी, पीजी डिप्लोमा इन ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म और पीजी डिप्लोमा इन पब्लिक हेल्थ एंड मास कम्युनिकेशन के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों और राजस्थान के अन्य विश्वविद्यालयों में अभी प्रवेश प्रक्रिया अभी चल ही रही है। राजस्थान के दूरदराज के क्षेत्रों और देश के अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को आवेदन का एक और अवसर देने के लिए अंतिम तारीख बढ़ाई गई है। उनका प्रयास है कि जनसंचार की विभिन्न विधाओं का अध्ययन करने का इच्छुक कोई भी विद्यार्थी आवेदन करने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

14 से 16 जुलाई तक मनाएंगे आचार्य वर्धमान सागर का पदारोहण महोत्सव

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयत्न)। श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, धोद में 14 से 16 जुलाई तक वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर महाराज ससंघ 37 पिच्छिका के सान्निध्य में 37वें आचार्य पदारोहण महोत्सव एवं रुत संरक्षण वात्सल्य दिवस का भव्य आयोजन होगा। तीन दिवसीय महोत्सव को लेकर सकल दिगम्बर जैन समाज सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं और मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार 14 जुलाई को मंगलाचरण, आचार्य श्री के मंगल प्रवचन, पूजन, भक्ति एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। 15 जुलाई को रुत संरक्षण वात्सल्य दिवस के अंतर्गत विशेष पूजन, धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन एवं श्रद्धालुओं के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 16 जुलाई को आचार्य पदारोहण महोत्सव के मुख्य समारोह में विशेष पूजन, धर्मसभा, आशीर्वचन, प्रतिभा सम्मान, वात्सल्य एवं अन्य धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे।

27 जुलाई को देशभर में गूंजेगा गौ सम्मान का संकल्प

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने और देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर आगामी 27 जुलाई को देशव्यापी श्गौ सम्मान आह्वान अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत देश के सभी जिला मुख्यालयों पर गौ भक्त एकजुट होकर जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपेंगे। वहीं राजधानी जयपुर में हजारों की संख्या में गौ भक्त एकत्र होकर गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने का सामूहिक संकल्प लेंगे। अभियान के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर रविवार को वैशाली नगर स्थित भारतीय गौ क्रांति मंच के प्रदेश कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 27 जुलाई के आयोजन, जनसंपर्क और हस्ताक्षर अभियान की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम को एक व्यापक जन आंदोलन बनाने के लिए संत-महात्माओं, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, गौशाला संचालकों और युवाओं को इससे जोड़ने का निर्णय लिया गया है। बैठक में उपस्थित सभी गौ भक्तों ने मांग पूरी होने तक अभियान को निरंतर गति देने का

संकल्प दोहराया। इस अवसर पर गौ ऋषि प्रकाश दास महाराज ने कहा कि गौ माता केवल आस्था का विषय नहीं बल्कि भारतीय कृषि, पर्यावरण, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। केंद्र सरकार गौ माता को राष्ट्र माता और राजस्थान सरकार राज्य माता का दर्जा दे, साथ ही देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए। इस बैठक के दौरान गौ ऋषि प्रकाश दास महाराज, गौ क्रांति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ताराचंद कोठारी, महाराज पवन दास, गौ सेवक सुगंजी शर्मा, आशीष मीणा, विनोद यादव, सांगानेर तहसील प्रभारी भानु गौतम, अनीता शर्मा और सुजाता शर्मा सहित कई गणमान्य गौ सेवक उपस्थित रहे। भारतीय गौ क्रांति मंच के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद कोठारी ने बताया कि 27 जुलाई को जयपुर के मानसरोवर स्थित वीटी रोड मैदान में हजारों गौ भक्तों का महासंगम होगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

नीति निर्माताओं को सद्बुद्धि मिले और गौ संरक्षण के पक्ष में ठोस निर्णय हो, इस उद्देश्य से वातावरण को गौमय बनाते हुए गौ महायज्ञ में सामूहिक आहुतियां दी जाएंगी। देशी नस्ल के गौवंश के महत्व, वैज्ञानिक उपयोगिता और ग्रामीण जीवन में उनके योगदान को प्रदर्शित करने वाली एक विशेष प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेगी। विभिन्न गौशालाओं के प्रतिनिधि गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए किए जा रहे आधुनिक नवाचारों को साझा करेंगे। कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं को गाय के दूध, छाछ, दही, लस्सी और मक्खन का प्रसाद वितरित किया जाएगा। अभियान के तहत जयपुर के आराध्य ठाकुरश्री गोविंद देवजी मंदिर में चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान को श्रद्धालुओं का भारी समर्थन मिला। मंदिर परिसर में हजारों श्रद्धालुओं ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर इस मुहिम से जुड़ने का संकल्प लिया। मंच के कार्यकर्ताओं ने आमजन से 27 जुलाई के इस देशव्यापी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

दो शातिर नकबजन गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी दिन में लग्जरी कार से कॉलोनियों की रेकी करते और रात में मकानों के ताले तोड़कर चोरी करते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के छह घरेलू गैस सिलेंडर, एक एलईडी टीवी, 5 हजार 500 रुपए नकद तथा वारदात में प्रयुक्त मारुति कार जब्त की है। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर केंद्रीय कारागृह जयपुर भेज दिया गया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले विमलेश मीणा निवासी नादौती जिला करौली तथा जनकराज मीणा निवासी कुड़गांव जिला करौली को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी स्मैक के नशे के आदी हैं। वे दिन में अपनी फ्रॉन्क्स कार से विभिन्न कॉलोनियों में घूम कर सूने मकानों की रैकी करते थे। मौका मिलने पर रात में मकानों के ताले तोड़कर अंदर घुसते और जेवरात, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित अन्य कीमती वस्तुएं चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान औने-पौने दामों में बेचकर उससे मिलने वाले पैसों से स्मैक खरीदते और मौज-मस्ती करते थे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों और चोरी का माल खरीदने वाले लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। थानाधिकारी प्रकाश बिश्नोई ने बताया कि आरोपी विमलेश मीणा के खिलाफप्रताप नगर, बजाज नगर, सांगानेर, एयरपोर्ट, खोह नागोरियान और दौसा सहित विभिन्न थानों में चोरी और नकबजनी के करीब 11 मामले दर्ज हैं। वहीं जनकराज मीणा के खिलाफ प्रताप नगर और करधनी थाने में लूट की तैयारी, रंगदारी और चोरी के चार मामले पहले से दर्ज हैं। वहीं इस मामले का खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना की स्पेशल टीम के कांस्टेबल धीरज और कांस्टेबल बजरंग लाल की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

निर्माणाधीन मकानों से कॉपर वायर चुराने वाली गैंग का पर्दाफाश

दो चोर सहित कबाड़ी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। वैशाली नगर थाना पुलिस ने निर्माणाधीन और नव-निर्मित मकानों से महंगे कॉपर वायर एवं बिजली फिटिंग के तार चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो मुख्य आरोपी चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे जबकि तीसरा आरोपी चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरीशुदा कॉपर वायर और बिजली के तार बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि वैशाली नगर थाना पुलिस ने निर्माणाधीन और नव-निर्मित मकानों से महंगे कॉपर वायर एवं बिजली फिटिंग के तार चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश महेश कुमार मीणा निवासी बस्सी जयपुर, हंसराज मीणा निवासी बस्सी और निजाम खान निवासी भावली करौली हाल निवासी गिरधारीपुरा करणी विहार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार निजाम खान चोरी का माल खरीदने का काम करता था। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि महेश और हंसराज पेशे से बिजली फिटिंग का काम करते हैं। वे दिन में नए बन रहे मकानों में काम मांगने या बिजली फिटिंग के बहाने पहुंचकर वहां रखे महंगे सामान और सुरक्षा व्यवस्था की रैकी करते थे। रात में सूना मौका देखकर मकानों में घुस जाते थे। वारदात के दौरान एक आरोपी बाहर निगरानी करता था जबकि दूसरा अंदर जाकर कॉपर वायर और बिजली के तार चोरी करता था। बाद में चोरी का सामान औने-पौने दामों में कबाड़ी निजाम खान को बेच देते थे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि उन्होंने जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में इस तरह की और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है तथा चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। इस गिरोह का खुलासा करने में उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह, एएसआई माल सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार तथा कांस्टेबल देवेंद्र और विजय कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं आरोपियों को ट्रेस करने में हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार, कांस्टेबल दीपचंद और कांस्टेबल सुरेश कुमार की विशेष भूमिका रही। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुरक्षा गार्ड घनश्याम मीणा ने वैशाली नगर थाने में मामला दर्ज कराया था कि 5 जुलाई 2026 की रात क्रॉस रोड स्थित पुंगोलिया फार्म के पास मनोज टीबड़ेवाल के निर्माणाधीन प्लॉट में दो बदमाश दीवार फांदकर घुसे। उन्होंने बेसमेंट के कमरों का ताला लोहे के सरिए से तोड़कर वहां रखे करीब 4 से 4.5 लाख रुपए मूल्य के कॉपर वायर और बिजली फिटिंग के तारों के कार्टन चोरी कर लिए। घटना के बाद पुलिस ने शहरभर के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों को फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

8.6 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के ऑपरेशन क्लीन स्वीप और एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 8 किलो 600 ग्राम गांजा, 87 हजार रुपए नकद, गांजा तौलने का इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पैकिंग सामग्री और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी के भाई-बहन भी इस अवैध कारोबार में उसकी मदद करते थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शातिर तस्कर बलविन्द्र को गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से हनुमानगढ़ टाउन का निवासी है और वर्तमान में जयसिंहपुरा खोर स्थित सब्जी मंडी के पास किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस को तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 8 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा, गांजा बेचकर कमाए गए 87 हजार रुपए नकद, गांजा तौलने का इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पैकिंग में प्रयुक्त प्लास्टिक की थैलियां, स्टेपलर तथा सप्लाई में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर जब्त की। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बाइक से जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूमकर गांजे की सप्लाई करता था। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि उसके भाई-बहन भी गांजा सप्लाई के नेटवर्क में उसकी मदद करते थे। आरोपी इलाके में सट्टा खेलने और खिलाने का काम भी करता है। उसके खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से लाता था, उसके सप्लायर कौन हैं और जयपुर में किन-किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जाती थी। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क का खुलासा होने के बाद अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी करण शर्मा ने बताया कि एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान पुलिस ने

आबकारी अधिनियम के तहत तीन प्रकरण दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं एनडीपीएस एक्ट के तहत एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा गया। इसके अलावा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 170 बीएनएसएस के तहत 36 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर पाबंद किया गया। इस कार्रवाई में थानाधिकारी हरिओम सिंह के नेतृत्व में कांस्टेबल राजू चौधरी जिनकी विशेष भूमिका रही, अमीलाल, प्रदीप कुमार, गंगाधर और ओमेश सिंह सहित पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिंधी समाज का सामूहिक विवाह 23 सितंबर को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर में सिंधी समाज का सामूहिक विवाह आगामी 23 सितंबर को आयोजित होने जा रहा है। यह भव्य आयोजन भगवान झूलेलाल सेवा समिति के तत्वावधान में सिंधी समाज के अबूझ सावे वामन जयंती के पावन अवसर पर मानसरोवर स्थित अग्रवाल फार्म के लायंस पैराडाइज़ में संपन्न होगा। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका शोभा बसंतानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सामूहिक विवाह महोत्सव में कुल 11 जोड़ों का विवाह पूरी तरह से सनातन पद्धति और पारंपरिक सिंधी रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया जाएगा। विवाह के इच्छुक जोड़ों के लिए पंजीयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। समिति के अध्यक्ष गिरधारी संभनानी और महासचिव लाल चंद खानवानी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस भव्य कार्यक्रम को सुचारू और सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके तहत नारायण दास नजवानी को मुख्य समन्वयक नियुक्त किया गया है। तुलसी संगतानी को समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है। गोरधन आसनानी और प्रमोद नावाणी को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। समिति के प्रवक्ता मूलचंद बसंतानी ने बताया कि समाज के इस पावन और ऐतिहासिक कार्यक्रम की अध्यक्षता भगवान झूलेलाल के वंशज पूज्य दादा सुंदर ठकुर करेंगे, जिनका सानिध्य और आशीर्वाद सभी नवदंपतियों को प्राप्त होगा। विवाह महोत्सव को लेकर समाज के लोगों और युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सतगुरु टेऊँराम महाराज के जन्मोत्सव पर भक्तों ने किया भव्य ब्रह्मदर्शनी पाठ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सनातन धर्म के महान प्रचारक और प्रेम प्रकाश मण्डल के संस्थापक आचार्यश्री सदुरु स्वामी टेऊँराम महाराज के चालीहा महोत्सव एवं 140वें पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष में गुलाबी नगरी भक्ति के रंग में सराबोर हो गई। इस अवसर पर रविवार शाम को एक अभूतपूर्व और भव्य संगीतमय ब्रह्मदर्शनी पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने शिरकत की।

140 भक्तों ने एक समान वेशभूषा में जगाई आध्यात्मिक अलख

इस विशाल आयोजन की सबसे मुख्य विशेषता यह रही कि महाराजश्री के 140वें जन्मोत्सव के प्रतीक स्वरूप ठीक 140 भक्तों ने एक समान वेशभूषा धारण कर भाग लिया। इन सभी भक्तों ने पूज्य संतों के पावन सान्निध्य में लगातार दो घंटे तक एक स्वर और एक लय में संगीतमय ब्रह्मदर्शनी पाठ कर पूरे परिसर को अलौकिक ऊर्जा से भर दिया। सत्संग को संबोधित करते हुए पूज्य स्वामी मोहन प्रकाश महाराज ने ब्रह्मदर्शनी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया

कि आध्यात्मिकता की अलख जगाने वाले सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज द्वारा रचित 800 पृष्ठों का श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ अगाध ज्ञान का सागर है। ब्रह्मदर्शनी इसी पवित्र ग्रंथ का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंश है, जिसमें ब्रह्म ज्ञान का असीम भंडार छिपा है। इसके अध्ययन और नित्य पाठ से मनुष्य के जीवन के पाँचों भेद और तमाम भ्रांतियां मिट जाती हैं तथा घर-परिवार में सुख-शांति का वास होता है। इस सामूहिक पाठ में जयपुर के कोने-कोने से आए प्रसिद्ध मंदिरों के पीठाधीश्वर, आश्रमों के मठाधीश और संत-महात्मा सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में महंत राम दास, महंत राम रज दास त्यागी, महंत रघुवीर शरण, महंत राजा राम, महंत अमित व्यास, महंत सियाराम दास, महंत सुदर्शन आचार्य, महंत नारायण, महंत लोकेश, महंत राजकुमार, बजरंगी बाबा, महंत नीतीश चतुर्वेदी, युवाचार्य गौरव महता, महंत अमित, सुदीप और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजक संतों द्वारा पधारे हुए सभी महंतों और अतिथियों का सतनाम साक्षी दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रसाद भेंट कर भावभीना स्वागत-सत्कार किया गया। इस सामूहिक पाठ में स्वामी मनोहर लाल महाराज, संत नवीन, संत हरीश, संत गुरदास, पंडित जितेंद्र दाधीच वेदाचार्य और पंडित विजेंद्र शर्मा ने भी प्रमुख रूप से सहभागिता की।

15 जुलाई से शुरू होगा 5 दिवसीय भव्य जन्मोत्सव

सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का मुख्य 140 वां पंच दिवसीय जन्मोत्सव 15 जुलाई बुधवार से शुरू होकर 19 जुलाई रविवार तक अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पूज्य गुरुदेव सतगुरु स्वामी भगत प्रकाश महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय महोत्सव के दौरान प्रतिदिन भव्य भजन संध्या, आध्यात्मिक सत्संग और समाज सेवा से जुड़े कई अनेक सेवाभावी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190